अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

# दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

**गाँव से गवर्नेन्स तक**

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 126 | लखनऊ, बुधवार, 11 फरवरी 2026 | पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2.00

## संक्षिप्त

### योगी सरकार आज पेश करेगी वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार विधानमंडल के बजट सत्र में कल यानी बुधवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेगी। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मंगलवार को विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर हस्ताक्षर किया। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रदेश की जनता की अपेक्षाओं, विकास की जरूरतों और सुशासन की प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए अंतिम रूप दिया गया है। यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि डबल इंजन सरकार की विकासशील सोच और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतिबिंब है। वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने बीते वर्षों में कानून-व्यवस्था, निवेश और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में जो भरोसा कायम किया है, यह बजट उसी भरोसे को और सशक्त करता है। कृषि, युवा, महिला, श्रमिक और वंचित वर्गों के कल्याण के साथ-साथ पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता देकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक मजबूती देने का स्पष्ट रोडमैप इसमें शामिल है।

### मथुरा में उजड़ा पूरा परिवारः कमरे में मिले पति-पत्नी और तीन मासूम बच्चों के शव

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के महावन थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक परिवार के पांच सदस्यों के शव कमरे में मिले हैं। मरने वालों में पति-पत्नी और उनके तीन बच्चे हैं। सभी के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। पुलिस को मिले सबूतों के आधार पर मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। मौके पर दीवार पर लिखा सुसाइड नोट और एक वीडियो भी मिला है। पुलिस के अनुसार महावन के ग्राम खप्परपुर में रहने वाला 35 वर्षीय मनीष खेती करता था। मंगलवार सुबह करीब दस बजे पुलिस को सूचना मिली कि मनीष, उसकी पत्नी सीमा (32), बेटी हनी (5), प्रियांशी (4) और बेटा पंकज (2) के शव घर के अंदर पड़े हैं। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाया।

# कयामत तक बाबरी ढांचे का पुनर्निर्माण नहीं होगा : योगी

- बाराबंकी में दहाड़े योगी, कहा- कयामत के दिन के लिए मत जियो, हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाराबंकी। जो लोग बाबरी ढांचे का सपना देख रहे हैं, उन्हें बता देना चाहता हूं कि वो कयामत का दिन कभी नहीं आएगा। हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो। यहां का कानून मानो। यहां का कानून मानोगे और कायदे से रहोगे, तो फायदे में रहेगो। जो कानून तोड़ेगा, वो सीधे जहन्नुम में जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह विचार मंगलवार को बाराबंकी में व्यक्त किए। श्री हनुमत विराट महायज्ञ एवं श्री रामाचार्य पूजन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यज्ञ मंडप में आहुति दी। इस दौरान बाबा बलराम दास ने मखाना लावा की माला पहनाकर योगी का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री योगी ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा ये डबल इंजन की सरकार है। हम लोगों ने कहा था ना, रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। बन गया न मंदिर। कोई संदेह है। वह राम को भूल जाते हैं, इसलिए भगवान राम भी उनको भूल चुके हैं। अब उनकी नैया कभी पार नहीं होगी।

### 2017 से पहले प्रदेश में कोई सुरक्षित नहीं था

मुख्यमंत्री योगी ने कहा- हम सब भारतीय एक भारत श्रेष्ठ भारत का निर्माण करें। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में कोई सुरक्षित नहीं था। पहले गरीबों की जमीन पर कब्जा हो जाता था। सरकार बदलते ही सारी अराजकता गायब हो गई। हमारी सरकार में सब सुरक्षित हैं। प्रदेश की कानून व्यवस्था का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब बेटी सुरक्षित होगी, तो समाज अपने आप सुरक्षा का एहसास करेगा। व्यापारी सुरक्षित होगा, तो तरक्की होगी। पहले वेतन देने का पैसा नहीं होता था। आज सभी को वेतन समय पर मिल रहा। सरकार करोड़ों लोगों को पेंशन दे रही है। आज प्रदेश तरक्की कर रहा है। सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। जो कानून अपने हाथ में लेगा, तो कानून उसे ऐसा सबक सिखाएगा कि पीढ़ियां याद रखेंगी।

### मोदी जी आए तो गरीबों को घर मिले

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले गरीबों के घर नहीं बन पाए। मोदी जी आए, तो उत्तर प्रदेश के 60 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास मिले। पहले गांवों में बिजली नहीं थी, सड़कों पर गंदगी थी। अब घर-घर शौचालय बन गए। साफ पानी मुहैया कराया जा रहा है। पहले बिजली नहीं मिलती थी। कुछ चुनिंदा जिलों को ही बिजली मिलती थी। अब सभी 75 जिलों को बिजली मिल रही है। पहले की सरकारों में शौचालय नहीं थे। लोगों को मुंह बंद करके खेतों में जाना पड़ता था। आज हर घर में शौचालय है। अब बहन-बेटियों को बाहर नहीं पड़ता। बेटियों के जन्म से लेकर शादी का खर्च भी सरकार कर रही है। ये समाज की जिम्मेदारी है।

उन्हें कभी आगे नहीं बढ़ना। रामद्रोहियों के लिए अब कोई जगह नहीं। जो रामभक्तों पर गोली चला रहे थे, अब इन लोगों के लिए कोई जगह नहीं। राम सबके हैं, इसमें भेद नहीं। कुछ अवसरवादी राम को भूल जाते हैं।मुख्यमंत्री योगी ने श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का उल्लेख करते हुए कहा 500 साल में कई राजा-महाराजा आए। 1947 में देश आजाद हुआ। सरकारें बनती रहीं। लेकिन किसी के मन में ये बात नहीं आई कि अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बने। मंदिर भाजपा की सरकार में बना। आज वहां लाखों भक्त दर्शन करने जा रहे। जनसभा को खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी, जिलाध्यक्ष रामसिंह वर्मा, विधायक दिनेश रावत, विधायक साकेन्द्र वर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, अनुसूचित जाति के आयोग अध्यक्ष बैजनाथ रावत सहित सभी पूर्व जिलाध्यक्षों ने लोगों को संबोधित किया। मंच पर भाजपा के नेताओं के साथ ही अयोध्या के संत - महात्मा भी मौजूद रहे।

# लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर सदन के संचालन में पक्षपात का आरोप लगाते हुए कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने उनके खिलाफ मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया। इस पर 116 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। हालांकि इस पर तृणमूल कांग्रेस के किसी भी सांसद का हस्ताक्षर नहीं है। हस्ताक्षर करने वाले 116 सांसदों में राहुल गांधी का भी नाम नहीं है। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने पत्रकारों को बताया कि अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा महासचिव को संविधान के अनुच्छेद 94-सी के तहत दिया गया है। नोटिस पर 116 सांसदों के हस्ताक्षर हैं, जिनमें कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा), द्रविण मुनेत्र कड़गम (द्रमुक), राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और अन्य शामिल हैं। हालांकि गोगोई ने इस नोटिस पर तृणमूल कांग्रेस के सांसदों के हस्ताक्षर नहीं होने से जुड़े सवाल पर चुप्पी साध ली।नोटिस में कहा गया है कि लोकसभा अध्यक्ष लगातार विपक्षी सांसदों को जनहित के मुद्दे उठाने से रोक रहे हैं। अनुच्छेद 94(सी) के तहत नोटिस दिया गया है क्योंकि अध्यक्ष खुलेआम पक्षपात कर रहे हैं। इसके साथ ही विपक्ष के आठ सांसदों को मनमाने ढंग से निलंबित कर दिया गया है; उन्हें केवल लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करने के लिए दंडित किया जा रहा है।नोटिस में लिखा गया है कि कई मौकों पर विपक्षी दलों के नेताओं को बोलने की अनुमति ही नहीं दी गई, जबकि यह उनका मौलिक अधिकार है।

### ओम बिरला का बड़ा फैसला, चर्चा होने तक नहीं जाएंगे लोकसभा

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और निर्णय होने तक सदन की कार्यवाही में शामिल न होने का फैसला किया है। सूत्रों के मुताबिक, इस मुद्दे पर 9 मार्च को विचार किया जा सकता है, जो बजट सत्र के दूसरे चरण का पहला दिन होगा। इसी दिन सदन में अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू करने का निर्णय लिया जा सकता है।

## छग का 'बस्तर पंडुम' बस्तर की बदली पहचान का सशक्त प्रतीक : प्रधानमंत्री मोदी

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 से 9 फरवरी के बीच छत्तीसगढ़ में आयोजित बस्तर पंडुम को बस्तर की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जनजातीय विरासत का भव्य उत्सव बताया और उन्होंने इससे जुड़े सभी सहभागियों को हार्दिक बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को ट्वीट करते हुए लिखा कि बस्तर पंडुम जैसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, एक समय बस्तर का नाम आते ही माओवाद, हिंसा और विकास में पिछड़ेपन की छवि उभरती थी, लेकिन आज परिस्थितियाँ पूरी तरह बदल चुकी हैं। अब बस्तर शांति, विकास और स्थानीय लोगों के बढ़ते आत्मविश्वास के लिए जाना जा रहा है। उन्होंने कामना की कि बस्तर का आने वाला समय शांति, प्रगति और सांस्कृतिक गौरव से परिपूर्ण हो। प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बस्तर आज सांस्कृतिक गौरव और समावेशी विकास के सशक्त प्रतीक के रूप में अपनी नई पहचान गढ़ रहा है।

## भारत टैक्सी में न प्लेटफॉर्म शुल्क, न कमीशन, पूरी कमाई सारथी की : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बताया कि सारथी की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया सहकारी राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म 'भारत टैक्सी' निजी एग्रीगेटर मॉडलों से बिल्कुल अलग है। इसमें सारथी से कोई प्लेटफॉर्म शुल्क या कमीशन नहीं लिया जाता और यात्रा से होने वाली पूरी कमाई सीधे सारथी को मिलती है। अमित शाह ने मंगलवार को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि भारत टैक्सी- सारथी (ड्राइवरों) के हितों को सर्वोपरि रखते हुए तैयार किया गया प्लेटफॉर्म है। यह देश का पहला सहकारी आधारित राइड-हेलिंग ऐप है जो शून्य कमीशन मॉडल पर संचालित हो रहा है। इस प्लेटफॉर्म पर न तो सारथी से कोई प्लेटफॉर्म फीस ली जाती है और न ही यात्रियों से कोई सुविधा शुल्क वसूला जाता है। इससे सारथी की आय में सीधा और स्थायी लाभ सुनिश्चित होता है। उन्होंने बताया कि भारत टैक्सी को बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम, 2002 के तहत पंजीकृत किया गया है। यह सारथी को केवल सेवा प्रदाता नहीं बल्कि सहकारी संस्था का सदस्य और लाभ का भागीदार बनाता है। प्लेटफॉर्म से होने वाला लाभ निवेशकों को नहीं, बल्कि सीधे सारथियों में वितरित किया जाता है। शाह ने बताया कि वर्तमान में भारत टैक्सी दिल्ली-एनसीआर और गुजरात के अहमदाबाद, राजकोट, सोमनाथ और द्वारका में संचालित है। ऐप पर 990,082 पंजीकृत ग्राहक और 3 लाख से अधिक पंजीकृत सारथी हैं, जिन्होंने 2,91,665 राइड पूरी की हैं। सरकार का लक्ष्य 2029 तक चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में इसका विस्तार करना है।

# बड़े मियां तो बड़े मियां, छोटे मियां सुभानअल्ला

- अकबरुद्दीन ओवैसी ने कहा, तैयार हो जाओ योगी मैं आ रहा हूं यूपी
- बड़े ओवैसी रमजान के बाद यूपी आकर सियासी माहौल गरमाएंगे

अभयानंद शुक्ल, कार्यकारी संपादक

लखनऊ। बिहार और महाराष्ट्र की जीत के बाद ओवैसी ब्रदर्स का जोश हाई है। बड़े ओवैसी यानी एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने अब पश्चिम बंगाल और असम पर नजरें गड़ा दी हैं। वहीं छोटे यानी अकबरुद्दीन ओवैसी ने सीधे यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को ही चैलेंज कर दिया है। छोटे ओवैसी ने कहा है कि योगी तैयार रहो, मैं यूपी आ रहा हूं। यानी दोनों भाई इस समय जोश में हैं। खबर है कि बड़े ओवैसी भी रमजान के बाद यूपी का दौरा शुरू करने वाले हैं।

जैसे-जैसे यूपी विधानसभा चुनाव की बेला नजदीक आती जा रही है, वैसे-वैसे सियासी सरगर्मी बढ़ती जा रही है। समर में ओवैसी की पार्टी भी पूरे दमखम के साथ उतरने जा रही है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने तो पहले ही ऐलान कर दिया है कि वे यहां की 200 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। और यदि ऐसा हुआ तो ये अखिलेश यादव के लिए खतरे की घंटी है। इसी के चलते तमाम मौलाना ओवैसी को समझाने और धमकाने में लगे हैं। चाहे महाराष्ट्र के मौलाना नदवी हों, चाचा-भतीजे अरशद और महमूद मदनी हों या फिर मौलाना जर्जिस अंसारी, सभी ओवैसी को रोकने के लिए मुसलमानों को एकता का पाठ पढ़ाने में लगे हैं। ऐसे में छोटे ओवैसी का ये ऐलान कि तैयार हो जाओ योगी, मैं आ रहा हूं यूपी, बड़ी बात है। ऐसे में योगी भी कुछ न कुछ जवाब तो देंगे ही, बस उनके जवाब का इंतजार है। कुल मिलाकर यूपी का सियासी माहौल खूब गरमाने वाला है। पार्टी के प्रदेश महासचिव मोहम्मद सलमान के अनुसार ओवैसी रमजान के बाद यूपी में दौरे शुरू करेंगे।

जहां तक बड़े ओवैसी यानी एआईएमआईएम चीफ का सवाल है तो वे अभी पश्चिम बंगाल, असम और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सर्मा में उलझे हैं। ओवैसी के टारगेट पर पश्चिम बंगाल, असम और यूपी हैं। चूंकि पश्चिम बंगाल और असम के चुनाव इसी साल होने हैं, इसलिए उनका ध्यान अभी यूपी पर कम है। फिलहाल माहौल गरमाने का काम अकबरुद्दीन ओवैसी और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के जिम्मे है। अकबरुद्दीन ओवैसी ने तेलंगाना के निकाय चुनाव में प्रचार के दौरान यूपी और योगी का जिक्र कर दिया है। छोटे ओवैसी यानी 15 मिनट वाले अकबरुद्दीन ने कहा है कि ये मुल्क जितना भगवा वालों का है उतना ही टोपी वालों का भी है। इसलिए मैं योगी से कहना चाहता हूं कि तैयार हो जाओ योगी मैं यूपी आ रहा हूं। हम वहां भी कामयाबी का झंडा गाड़ेंगे।

इधर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने हम दो हमारे दो नारे के मुकाबले, हम दो हमारे दो दर्जन का नारा दिया है। उनका कहना है कि जितने आते हैं, आने दो। उन्होंने कहा कि हमारी आबादी नहीं बढ़ेगी तो हमारी सरकार नहीं बनेगी। यानी एआईएमआईएम पूरी शिद्दत से मैदान में डंटी है। और आने वाले समय में यूपी में सियासी माहौल हंगामेदार होने वाला है।

वैसे भी महाराष्ट्र निकाय चुनाव के प्रचार के दौरान पार्टी सदर असदुद्दीन ओवैसी ने संभल का जिक्र कर अपने इरादे साफ कर दिए हैं कि यूपी के चुनाव में उनकी प्रचार की लाइन हिंदू बनाम मुसलमान ही रहने वाली है। तब उन्होंने कहा था कि मुझे संभल की मस्जिद की स्थिति अच्छी नहीं दिख रही है। उसको बचाने के लिए हमें कुछ करना ही होगा, हम एक और मस्जिद कुर्बान नहीं होने दे सकते। इस बयान के साथ ओवैसी अपने चुनावी इरादे भी साफ कर दिए हैं कि वह न तो संभल की मस्जिद का जिक्र कम करेंगे और न ही राम मंदिर बनाम बाबरी मस्जिद के विवाद को दफन ही होने देंगे। मतलब देश के बाहर ओवैसी अगर एक भारतीय हैं तो देश के अंदर की राजनीति में वह एक मुस्लिम हैं।

# ‘भाग्य विधाता’ एनिमेशन फिल्म की हो जांच ब्रह्माकुमारी संस्था पर ब्रेनवॉश के गंभीर आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े अवेकनिंग टीवी यूट्यूब चैनल पर प्रसारित एक हिंदी एनिमेशन फिल्म ‘भाग्य विधाता’ को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस मामले में संजीव कुमार ने आरोप लगाया है कि यह फिल्म और इसके साथ प्रसारित होने वाली दैनिक मुरली आध्यात्मिक शिक्षा के नाम पर खासकर युवतियों और लड़कियों के मानसिक प्रभाव और नियंत्रण का माध्यम बन रही हैं।

शिकायतकर्ताओं का दावा है कि उक्त एनिमेशन फिल्म को सुबह 11:16 बजे बार-बार अग्रेषित और प्रचारित किया जा रहा है, जिसे वे एक सुनियोजित ब्रेनवॉश प्रक्रिया का हिस्सा मानते हैं। आरोप है कि इसके माध्यम से दर्शकों को ब्रह्माकुमारी संस्था की विचारधारा में ढालने और उन्हें ‘ब्रह्मकुमारऽब्रह्मकुमारी’ बनने के लिए मानसिक रूप से तैयार किया जाता है। आरोप लगाने वालों का कहना है कि दैनिक मुरली संचार, जिसे संस्था में ईश्वरीय संदेश के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, वह केवल आध्यात्मिक उपदेश नहीं बल्कि अनुयायियों के विचार, निर्णय और जीवनशैली को नियंत्रित करने का माध्यम बन चुका है। शिकायत में दावा किया गया है कि मुरली के शब्दों का पालन न करने को आध्यात्मिक पतन से जोड़कर देखा जाता है, जिससे अनुयायी सवाल उठाने से कतराते हैं। यह भी मांग की गई है कि ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से संचालित राजयोग ध्यान के सात दिवसीय पाठ्यक्रम में

पढ़ाई जाने वाली सामग्री की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाए। आरोप है कि ध्यान की यह पद्धति आत्मचिंतन से आगे जाकर मानसिक अधीनता (मेंटल कंडीशनिंग) की ओर ले जाती है, जहां व्यक्ति संस्था-निर्देशित सोच को ही अंतिम सत्य मानने लगता है। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि ब्रह्माकुमारी संस्था में आज भी ‘शिव से विवाह’ या पूर्ण समर्पण जैसी अवधारणाएं मौजूद हैं, जिसे आलोचक आधुनिक रूप में देवदासी प्रथा से जोड़कर देख रहे हैं। आरोप है कि लड़कियों को सांसारिक जीवन, विवाह और परिवार से विमुख कर संस्था के प्रति पूर्ण समर्पण के लिए मानसिक रूप से तैयार किया जाता है। इन आरोपों पर ब्रह्माकुमारी संस्था के पदाधिकारियों से सम्पर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। यह मामला सोशल मीडिया पर अब धार्मिक स्वतंत्रता बनाम मानसिक शोषण और आध्यात्मिक शिक्षा बनाम ब्रेनवॉश की बहस को जन्म दे रहा है। शिकायतकर्ताओं ने संबंधित सरकारी एजेंसियों, महिला आयोग और साइबर निगरानी संस्थाओं से मांग की है कि यूट्यूब पर प्रसारित सामग्री की वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक समीक्षा हो। राजयोग और ध्यान पद्धति के प्रभावों का स्वतंत्र आकलन किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि आस्था के नाम पर किसी भी वर्ग, विशेषकर महिलाओं के मानसिक अधिकारों का उल्लंघन न हो।

# संस्कृत महाविद्यालयों के शिक्षकों के साथ हो रहा सौतेला व्यवहार : ध्रुव कुमार त्रिपाठी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को विधान परिषद में संस्कृत महाविद्यालयों के शिक्षकों के स्थानान्तरण का मुद्दा छाया रहा। आजादी के 79 वर्ष के बाद भी संस्कृत महाविद्यालय के शिक्षक स्थानान्तरण की सुविधा से वंचित हैं।

शिक्षक एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने सदन को अवगत कराते हुए कहा कि प्राच्य भाषा एवं देववाणी के ध्वजवाहक संस्कृत महाविद्यालयों के शिक्षकों के साथ यह सनातनी सरकार सौतेला व्यवहार कर रही है। सनातनी परम्परा की विचारधारा वाली प्रदेश सरकार के रहते एकल स्थानान्तरण ऑनलाइन व ऑफलाइन अभी तक प्रभावी नहीं हो सका है। सरकार के इस कार्यप्रणाली से संस्कृत के शिक्षक

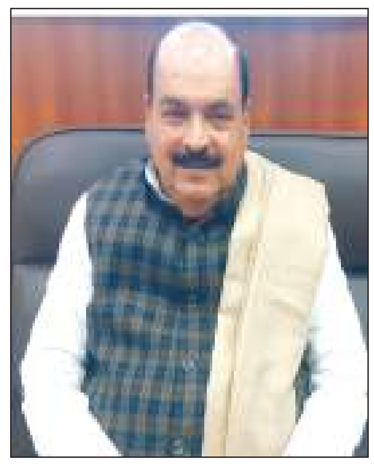

व्यथित हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के राज्य कर्मचारी, माध्यमिक, प्राथमिक एवं संस्कृत माध्यमिक के साथ-साथ उच्च शिक्षा के अधीन संचालित सभी महाविद्यालयों में स्थानान्तरण की सुविधा विद्यमान है, लेकिन संस्कृत महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए स्थानान्तरण की सुविधा आजादी के 79 वर्ष के बाद भी प्रदान नहीं की गयी है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग ने सारी हदें पार करते हुए संस्कृत महाविद्यालयों के शिक्षकों के एकल स्थानान्तरण के सम्बन्ध में अभी तक कोई व्यवस्था नहीं दी है। प्रदेश की सरकार के उपेक्षा के शिकार ये शिक्षक मायूस एवं लाचार हैं। एकल स्थानान्तरण की सुविधा न होने के कारण सरकार के प्रति इन शिक्षकों एवं इनके परिवारों में भारी रोष एवं आक्रोश है, स्थिति गंभीर एवं चिन्ताजनक है। उन्होंने प्रदेश सरकार से इनकी समस्याओं के समाधान के लिए त्वरित कदम उठाने की अपील की।

# जेंडर ट्रांसफरमेटिव शिक्षा से ही आएगा बदलाव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज़

- उतगन के गठन में हुई इस मुद्दे पर चर्चा
- इस मौके पर संगठन का चार्टर जारी हुआ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य में बालिका शिक्षा को अधिक समान, गुणवत्तापूर्ण और परिवर्तनकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उत्तर प्रदेश ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ गर्ल एजुकेशन एलायंस नेटवर्क ( यूटीजीएएन) का औपचारिक शुभारंभ मंगलवार को राजधानी में किया गया। ये नेटवर्क राज्य में बालिका शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत नागरिक समाज संगठनों का एक सहयोगी मंच है। यह जेंडर ट्रांसफारमेटिव एजुकेशन के माध्यम से शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक और प्रणाली गत बदलाव लाने के उद्देश्य से गठित किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए स्व तालीम फाउंडेशन के सह संस्थापक वैभव कुमार ने उतगन की यात्रा बताते हुए सभी संस्थानों के मंच पर आने को एक सुनहरा अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थानों के सामूहिक प्रयास से सरकार द्वारा करे जा रहे किशोरियों की शिक्षा और लैंगिक समानता के प्रयासों को बल मिलेगा। मुख्य वक्ता डॉ. पवन सचान, संयुक्त निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बालिका शिक्षा में वास्तविक बदलाव केवल नामांकन तक सीमित नहीं रह सकता है। इसके लिए उतगन जैसे समूहों को साथ मिलकर कार्य करने की ज़रूरत है। डॉ. पवन सचान के अनुसार बालिका शिक्षा में वास्तविक परिवर्तन तभी संभव है जब पाठ्यक्रम, शिक्षण प्रक्रिया और सामाजिक सोच तीनों में समानांतर बदलाव हो। इस अवसर पर ‘जेंडर ट्रांसफोरमेटिव शिक्षा में सिद्धांत से व्यवहार’ पर एक पैनल चर्चा का भी आयोजन हुआ। इसमें प्रदेश में शिक्षा के माध्यम से एक लैंगिक समान प्रदेश की परिकल्पना को लेकर चर्चा की गयी ꟷ इसमें वैश्विक उदाहरणों और शोध से निकाली गयी प्रणालियों को लेकर, उत्तर प्रदेश के परिपेक्ष्य में कैसे उतारा जा सकता है और कैसे सामूहिक प्रयास से लैंगिक विषमता को जड़ से समाप्त किया जा सकता है इस पर भी चर्चा हुई। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक पुष्पेंद्र सिंह ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए इस बात पर ज़ोर दिया कि सामाजिक संगठन अगर सरकार की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाएं तो प्रयास और प्रभावशाली होगा। इस मौके पर उतगन के चार्टर का औपचारिक विमोचन किया गया। इसमें नेटवर्क की साझा दृष्टि और आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत की गईꟷ इस अवसर पर डॉ. अनन्या तिवारी सह संस्थापक स्वातलीम फाउंडेशन, ने सभी सहभागी संगठनों को इस सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस सहयोगी नेटवर्क में स्वातलीम फाउंडेशन, पीरामल फाउंडेशन, यूनिसेफ, स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन, एजुकेट गर्ल्स, एक्शन ऐड , प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन और मिलान फाउंडेशन शामिल हैं। इस कार्यक्रम में राज्य सरकार के अधिकारी, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतिनिधि, शिक्षाविद और जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे।

## कतार में लगे लाखों परिवारों को जल्द मिलेगा आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के आवेदनों का सत्यापन शुरू

लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 में उत्तर प्रदेश फिर से कीर्तिमान रचने की तैयारी कर रहा है। योजना के द्वितीय चरण की शुरुआत में 2 लाख जरूरतमंद परिवार आवास से लाभान्वित हुए हैं। इन्हें निर्माण के लिए प्रथम किस्त के 2094 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। आगे के क्रम में कतार में लगे लाखों आवेदनों का सत्यापन शुरू हो गया है। राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) ने पिछले वर्ष योजना के प्रथम चरण में 17 लाख से अधिक परिवारों को पक्की छत देकर कीर्तिमान रचा था। इसी तरह योजना के दूसरे का बेहतर क्रियान्वयन करने के लिए रोडमैप बनाया है। जनवरी 2026 में योजना का दूसरा चरण शुरू हुआ था। इसमें 2 लाख परिवारों को आवास से लाभान्वित किया हैं। इन्हें पहली किस्त भी मिल चुका है।

# विद्युत बिल जारी करने में हो रही लापरवाही से उपभोक्ता परेशान: विजय बहादुर पाठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के विधान परिषद सदस्य विजय बहादुर पाठक ने मंगलवार को विधान परिषद में नियम 111 के अंतर्गत विद्युत बिल के नियमित भुगतान के बावजूद विद्युत बिल में बकाया दर्शाने के विषय को प्रमुखता से उठाया।

विजय बहादुर पाठक ने कहा कि विद्युत बिल जारी करने में हो रही लापरवाही से उपभोक्ता परेशान है। करोड़ों लोग ऐसे हैं जो नियमित विद्युत भुगतान ऑनलाइन भी करते हैं जितने का बिल आया उतना करते हैं उसके बावजूद जब अगला बिल आता है तो उसमें बकाया दर्शाया मिलता है। पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड का प्रथम उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक विद्युत उपभोक्ताओं को विश्वस्तरीय, किफायती और निरन्तर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के

साथ ही साथ पारदर्शी और तर्कसंगत टैरिफ (दरों) के अनुसार विद्युत बिल उपलब्ध कराना है। इस दिशा में बेहतर कार्य भी हो रहा है, निर्बाध विद्युत आपूर्ति के कारण राज्य में आमजन का जनजीवन भी व्यवस्थित हुआ है। किन्तु पावर कॉरपोरेशन द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं के साथ बड़े पैमाने पर लापरवाही की जा रही है। ऊर्जा प्रभार के नाम पर तर्क संगत टैरिफ (दरों) के अनुसार शहरी और ग्रामीण विद्युत उपभोक्ताओं के विद्युत बिल जारी करने में लापरवाही बरती जा रही है, कई स्थानों पर टैरिफ (दर) के आधार पर विद्युत बिल प्रस्तुत नहीं किए जा रहे है। इसके अतिरिक्त नियमित विद्युत बिलों का समय से भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं से प्रतिमाह के बिलों में बकाया धनराशि दिखाई जाती है और फिर इसकी वसूली भी की जाती है। उन्होंने कहा ईमानदार विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा जब प्रतिमाह जो विद्युत बिल आया है उसका भुगतान किया जा रहा है तो फिर अगले बिल में विद्युत बकाया क्यों दर्शाया जा रहा है ? नियमित भुगतान प्रतिमाह करने के बावजूद अगले बिल में आम उपभोक्ता को विद्युत बकाया के कॉलम में राशि बकाया दिखायी जाती है। इसके कारण उपभोक्ता परेशान है और अपने को ठगा सा महसूस करता है।

# यूपी बोर्ड परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया पर रहेगी नजर, अफवाह फैलाने वाले जा सकते हैं जेल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। यूपी बोर्ड परीक्षा में सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। इसके लिए बोर्ड ने क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) का गठन किया है जो हर समय सोशल मीडिया पर नजर रखेगी। साथ ही परीक्षा में नकल रोकने, अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाही के लिए फौरन कार्रवाई करेगी। उल्लेखनीय है कि यूपी बोर्ड-2026 की परीक्षाएं आगामी 18 अप्रैल से प्रदेश भर में प्रारंभ होने जा रही हैं। जिसके लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। राज्य व जिला स्तर पर क्विक रिस्पांस टीमें (क्यूआरटी) बनाई गई हैं। जो प्रश्नपत्रों और कापियों की सुरक्षा को लेकर दिन या रात कभी भी स्ट्रांग रूम का औचक निरीक्षण करेंगी। इसके अलावा परीक्षा को लेकर एसटीएफ की टीमें भी सक्रिय रहेंगी। लखनऊ में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के लिए कुल 121 केंद्र बनाए गए हैं जबकि प्रदेश स्तर पर परीक्षा केंद्रों की संख्या 8033 हैं। ऐसे में नकल के साथ-साथ

पर्चा लीक कराने वाले नकल माफिया व सोशल मीडिया पर पर्चा लीक की भ्रामक सूचना डालने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अगर कहीं कोई अफवाह व पर्चा लीक होने की खबर सामने आती है, तो क्यूआरटी समय रहते नियंत्रण करेगी। अफवाह फैलाने वालों को चिह्नित किया जाएगा कोई नेटवर्क है तो उसे ध्वस्त करने में क्यूआरटी और एसटीएफ मिलकर कार्य करेंगे। बोर्ड परीक्षा में नकल रोकने के लिए मंडल व जिलों में एक-एक पर्यवेक्षक तैनात किए जा रहे हैं। लखनऊ में संयुक्त शिक्षा निदेशक विवेक नौटियाल को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इसके अलावा संवेदनशील और अतिसंवेदनशील केंद्रों को लेकर विशेष सतर्कता भी बरती जा रही है। परीक्षा केंद्रों पर 24X7 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। प्रश्नपत्रों व उत्तर पुस्तिकाओं की स्ट्रांग रूम से निकासी भी कैमरे के अधीन की जाएगी। राज्य स्तरीय निगरानी कक्षों के माध्यम से हर परीक्षा कक्ष का लाइव ऑडियो-वीडियो फीड जिला तथा मुख्यालय तक भेजा जाएगा, जिससे अत्यधिक निगरानी हो सके।

## शिक्षा मंत्री प्रधान से मिले आईआईएम लखनऊ के निदेशक, शैक्षणिक सहयोग और भविष्य की नेतृत्व तैयारी पर हुई चर्चा

**लखनऊ।** भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) लखनऊ के निदेशक प्रो. एम. पी. गुप्ता ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात कर देश में प्रबंधन शिक्षा की बदलती भूमिका और भविष्य के लिए नेतृत्व तैयार करने से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। मुलाकात के दौरान प्रो. एम. पी. गुप्ता ने शिक्षा मंत्री को आईआईएम लखनऊ में बहु-विषयक (मल्टीडिसिप्लिनरी) शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए इंटरडिसिप्लिनरी पाठ्यक्रमों, पब्लिक पॉलिसी, कौशल विकास, छात्र कल्याण, वैश्विक सहयोग, शोध और कार्यकारी शिक्षा (एग्जीक्यूटिव एजुकेशन) से जुड़े प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने संस्थान द्वारा बुनियादी ढांचे और तकनीक में किए जा रहे निवेश, नेतृत्व और नवाचार को प्रोत्साहन, छात्र गतिशीलता के लिए छात्रवृत्तियों तथा दूर-दराज के क्षेत्रों के छात्रों तक पहुंच बढ़ाने जैसे समावेशी शिक्षा के प्रयासों को भी रेखांकित किया।

# पिछड़ों के आरक्षण पर डाका डाल रही सरकार : लाल बिहारी यादव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन आज विधान परिषद में नियम 105 के तहत समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा विज्ञापित पदों में आरक्षण के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। इस मौके पर सदस्यों ने विरोध भी जताया।

आज सदन में अपनी बात रखते हुए नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पिछड़ों के आरक्षण पर डाका डाल रही है। उन्होंने कहा व्यक्ति के लिए भी समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। वर्तमान सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, शोषित वंचित एवं पिछड़ा वर्ग के हितों के संरक्षण का दिखावा करती है। इस सरकार को इन वर्गों के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा संचालित विभिन्न भर्तियों में व्याप्त भ्रष्टाचार, अनियमितताओं

संविधान प्रदत्त आरक्षण व्यवस्था का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। यह विषय न केवल लाखों शिक्षित युवाओं के भविष्य से जुड़ा है बल्कि राज्य की प्रशासनिक निष्पक्षता सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों पर सीधा प्रहार करती है । उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा विज्ञापित पदों में आरक्षण के नियमों का पालन नही किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी और पशु चिकित्सा अधिकारी के पदों पर विज्ञापन जारी किये गये है। इस विज्ञापन में आरक्षण के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। लाल बिहारी यादव ने कहा स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी के ओ0बी0सी0 के लिए 221 पदों में 27 प्रतिशत के हिसाब से 60 की जगह पर 20 पद अनुसूचित जाति को 21 प्रतिशत के हिसाब से 46 पद की जगह 21 पद ही दिये गये हैं। इसी तरह पशु चिकित्सा अधिकारियों के 404 पदों पर 27 प्रतिशत ओबीसी के हिसाब से 110 पद मिलने चाहिये थे, लेकिन ओबीसी को शून्य पद मिले । इन सभी विज्ञापनों में ई0डब्लू0एस0 को सभी सीटें आवंटित कर दी गयीं। आरक्षण के नियमों का पालन और भर्तियों में भ्रष्टाचार से प्रभावित लोगों में सरकार के प्रति भारी रोष एवं आक्रोश व्याप्त है, लोग आन्दोलित हो रहे हैं। सरकार का पक्ष रखते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार आरक्षण का पालन सुनिश्चित कराने के लिये प्रतिबद्ध है। विज्ञापित पदों में आरक्षण के नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए सपा के सदस्यों ने विधानमंडल परिसर में विरोध जताया। आक्रोशित सदस्य आरक्षण के समर्थन में नारेबाजी कर रहे थे।

# टीसीआई ने वित्तीय परिणामों में मजबूत वृद्धि की घोषणा की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड भारत की अग्रणी एकीकृत मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली कंपनी, ने आज 31 दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। चालू वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए टीसीआई ने 12,609 मिलियन का समेकित राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 11,539मिलियन की तुलना में 9.3प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। ईबीआईटीडीएः कंपनी का ब्याज, कर, मूल्यह्रास एवं परिशोधन से पूर्व लाभ 1,616 मिलियन रहा, जो चालू वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही के 1,478 मिलियन की तुलना में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि है। कर पश्चात लाभः पीएटी में 13.4 प्रतिशत की वृद्धि होकर यह 1,158 मिलियन रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 1,021 मिलियन था। कंपनी के प्रबंध निदेशक विनीत अग्रवाल ने कहा तीसरी तिमाही में लॉजिस्टिक्स बिज़नेस की सीज़नल नेचर देखने को मिली, जिसे त्योहारों की वजह से बढ़ी मांग का सपोर्ट मिला। इससे ऑटोमोटिव, एफएमसीजी और एमएसएमई से जुड़े इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस में अच्छी ग्रोथ देखी गई। जीएसटी 2.0 के शुरुआती फ़ेज़ में कुछ समय के लिए रुकावट आई, लेकिन बाद में क्लैरिटी आने से परिवर्तन तेज़ हुए, खासकर फिनिश्ड गुड्स और इन्वेंट्री री-बैलेंसिंग में। ऑटोमोटिव के साथ-साथ कंज़्यूमर ड्यूरेबल्स, फार्मा और ई-कॉमर्स इस तिमाही में प्रमुख विकास कारक रहे। रिकॉर्ड रोड और रेल वॉल्यूम और बेहतर वेयरहाउस यूज़ से प्रदर्शन को सपोर्ट मिला। इस तरह के उतार-चढ़ाव के बावजूद, टीसीआई का डाइवर्सिफाइड बिज़नेस मॉडल, मजबूत ब्रांच नेटवर्क और बेहतर एक्ज़ीक्यूशन हमें डिमांड में बदलाव के हिसाब से तेज़ी से रिस्पॉन्ड करने में मदद करता है, साथ ही मार्जिन डिसिप्लिन भी बनी रहती है। हम मानते हैं कि इस तिमाही की कुछ ग्रोथ इवेंट-बेस्ड और इन्वेंट्री-ड्रिवन थी, और फ़ेस्टिव सीज़न के बाद वॉल्यूम नॉर्मल हो सकते हैं। हमने रेल, कोस्टल और नेटवर्क-बेस्ड लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस को और स्केल किया है, साथ ही वेयरहाउसिंग और वैल्यू-एडेड सेवाओं को भी बढ़ाया है। एसेट प्रोडक्टिविटी, कॉस्ट एफिशिएंसी और सस्टेनेबिलिटी हमारी स्ट्रैटेजी के अहम हिस्से बने हुए हैं। एंड-टू-एंड लॉजिस्टिक्स की तरफ हमारा फोकस हमें क्विक कॉमर्स, ओम्नी-चौनल रिटेल और डी2सी ब्रांड्स जैसी बढ़ती और जटिल सप्लाई चेन ज़रूरतों को बेहतर तरीके से पूरा करने में मदद करता है।

# आयुक्त ने किया नव निर्मित एनआईसी भवन का लोकार्पण

- पत्रावलियों ठीक प्रकार रखें और आवश्यक शासनादेशों को गाइट फाइल में रखें: आयुक्त
- पत्रावलियों के डिजिटलीकरण से प्रशासनिक कार्यों में गति आएगी व पारदर्शिता बढ़ेगी: पंत

राष्ट्रीय प्रस्तावना

**हरदोई।** आयुक्त लखनऊ मण्डल विजय विश्वास पंत ने आज जनपद भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा के साथ सर्व प्रथम स्वामी विवेकानन्द सभागार के ऊपर नव निर्मित एनआईसी कार्यालय का लोकार्पण फीता काटकर एवं शिलापट से पर्दा हटाकर किया। इस अवसर पर आयुक्त ने नये एनआईसी भवन में आधुनिक तकनीक व सुविधाओं के लिए डीएम की सराहना की तथा कहा इससे सरकारी कार्यो में पारदर्शिता आयेगी। इसके उपरान्त आयुक्त ने कलेक्ट्रेट के संग्राह अनुभाग, संयुक्त कार्यालय, शस्त्र अनुभाग, अंग्रेजी अभिलेखागार, राजस्व अभिलेखागार, रिकार्ड रूम, अपर जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय आदि का सघन निरीक्षण किया। संग्रह अनुभाग के सभी पटलों के निरीक्षण में उन्होने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिये कि अभिलेखों एवं पत्रावलियों का रख-रखाव ठीक प्रकार करें और आवश्यक शासनादेशों को गाइट फाइल में रखें। शस्त्र अनुभाग के निरीक्षण में आयुक्त ने कहा कि शस्त्र वरासत संबंधी सभी पत्रावलियों की जांच करायें और शस्त्र नवीनीकरण की प्रक्रिया समय पर निर्धारित करायें। उन्होंने कहा कि सभी पत्रावलियों का डिजिटलीकरण कराये और डिजिटलीकरण से न केवल प्रशासनिक कार्यों में गति आएगी, बल्कि पारदर्शिता भी बढ़ेगी। उन्होने सेवानिवृत्त कार्मिकों के देयों के भुगतान की स्थिति की जानकारी ली तथा निर्देश दिये कि सेवानिवृत्ति देयों अथवा एसीपी से संबंधित कोई भी प्रकरण लंबित न रखें। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिंह, न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट पूनम भास्कर, अरूणिमा श्रीवास्तव, एसडीएम सण्डीला, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

## लूट कांड के मामले में मलकापुर पहुंचे आईजी, पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए

राष्ट्रीय प्रस्तावना

**शाहाबाद ( हरदोई )।** लखनऊ परिक्षेत्र के आईजी किरन एस मंगलवार को शाम 4:30 बजे मलकापुर में परिजनों को बंधक बनाकर हुई लूटपाट के मामले में मलकापुर पहुंचकर मौका मुआयना किया और पीड़ित अनीश ख़ां से बातचीत कर जानकारी ली।

सोमवार मंगलवार के मध्य रात्रि ०2:00 बजे अनीश खान के घर में घुसकर पांच नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों ने घर के सभी सदस्यों को बंधक बनाकर लाखों रुपए की लूट कर डाली और आराम से चलते बने। सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, अपर पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह, आलोक राज नारायण मौके पर पहुंच कर मौका मुआयना किया और टीमें बना कर खुलासे का प्रयास किया जा रहा है। शाम 4: 30 बजे लखनऊ परिक्षेत्र के आईजी किरन एस मलकापुर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित गृह स्वामी अनीस से बातचीत की और उसके बाद मकान के आसपास टहलकर भौगोलिक स्थिति परखी। इस मौके पर उन्होंने मलकापुर में भ्रमण करने के बाद पुलिस को हर हाल में घटना का खुलासा करने का निर्देश दिया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, अपर पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह, आलोक राज नारायण, प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह मौजूद रहे।

## परिजनों को असलहों की दम पर बंधक बनाकर लाखों रुपए की लूट

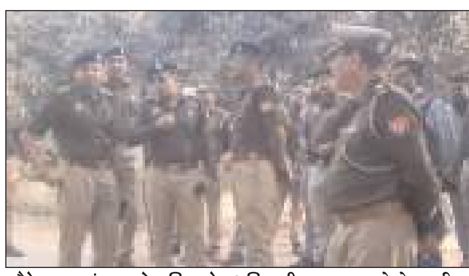

मौके पर जांच करते पुलिस के अधिकारी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

- पांच बदमाशों ने घर में घुसकर घटना को अंजाम दिया
- सभी बदमाशों ने नकाब और ग्लब्स से पहन रखे थे

**शाहाबाद ( हरदोई )( राष्ट्रीय प्रस्तावना )।** बीती रात नकाबपोश पांच बदमाशों ने एक घर में घुसकर परिजनों को पहले बंधक बना लिया और 30 हजार की नगदी सहित लगभग 15 लाख रुपए का जेवर लूटकर आराम से चलते बने। घटना की जानकारी होने के बाद पूरे इलाके में दहशत व्याप्त हो गई। सूचना पाकर सुबह प्रभारी निरीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक ने भी मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया और पुलिस को जल्द ही घटना को खुलासे का निर्देश दिया है। शाहाबाद कोतवाली के मलकापुर निवासी अनीश खान पुत्र नसीर खां के अनुसार बीती रात लगभग 2रू00 बजे वह अपने परिजनों के साथ सो रहे थे। अचानक घर में पांच नकाबपोश बदमाश दाखिल हुए सभी के हाथों में असलहे थे। अनीश के अनुसार बदमाशों ने उसके हाथ बांध दिएए उसके बाद उसके बेटे रफ्त को सोते से उठाकर हाथ बांध दिए। कमरे के अंदर उसकी पत्नी और पुत्रियां सो रही थी। उस कमरे की बाहर से सिटकनी लगा कर उनको कमरे के अंदर बंधक बना दिया। उसके बाद बदमाशों ने कमरे की चाबियां ले ली और कमरे का ताला खोलकर 5 से 6 तोला सोना और 30 हजार की नकदी लूटकर बदमाश चले गए। घटना की खबर से इलाके में दहशत फैल गई। सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंहए क्षेत्राधिकारी आलोक राज नारायण मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। कुछ देर बाद पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणाए अपर पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह भी मलकापुर पहुंचे और मौका मुआयना करने के बाद पीड़ित गृह स्वामी, उसके बेटे और परिजनों से अलग-अलग बात की। घटना से इलाके में दहशत बनी हुई है। **पड़ोस के एक घर भी हुई घटना:**-रात में पड़ोस के आमिर उर्फ चंदू पुत्र बड़े मुन्ना के घर में बड़ा स्टूल लगाकर बदमाश घर में घुसे और कुछ न मिलने पर उनकी भावज की एक पर्स से रूपये 3000 निकाल लिए और पर्स को पीछे छत पर फेंक दिया। **फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किये:**- मलकापुर लूट कांड के मामले में मुख्यालय से फॉरेंसिक टीम पहुंची जिसने लूटपाट करने वाले स्थान से फिंगर प्रिंट लेकर साक्ष्य संकलित किए हैं। **पुलिस अधीक्षक ने मौका मुआयना किया:**- पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने मलकापुर घटनास्थल पर पहुंचकर मौका मुआयना किया और पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। **खुलासा के लिए बनाई गई तीन टीमें:**- पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने मलकापुर लूट कांड के मामले में अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में तीन टीमें बनाई हैं। यह सभी टीमें इस लूट कांड का खुलासा करेगी। सभी टीमों को अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने के लिए भेज दिया गया है। **बदमाश पूरा नकाब और ग्लबस पहने थे:**-पीड़ित गृह स्वामी अनीस के अनुसार पांच बदमाश पूरी तरह से नकाब डाले थे। केवल उनकी आंखें दिख रही थी। इसके अलावा हाथों में उन्होंने बड़े-बड़े ग्लव्स पहन रखे थे। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि बदमाश पूरी तरह से पेशेवर थे जो कोई भी साक्ष्य छोड़ना नहीं चाहते थे।

## चचेरे भाइयों ने युवक को धारदार हथियारों से काट डाला

**शाहाबाद ( हरदोई )( राष्ट्रीय प्रस्तावना )।** बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम बलेहरा में मंगलवार सुबह करीब ०7:30 बजे एक युवक की उसके ही चचेरे भाइयों ने धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी और फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेजा है। घटना स्थल का एसपी हरदोई अशोक कुमार मीणा ने निरिक्षण कर जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पुलिस को आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैँ। सीओ हरपालपुर सतेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया है। एसपी अशोक कुमार मीणा ने पत्रकारों को बताया कि मृतक अच्छे सिंह पुत्र छोटकौनू का भाई अभय सिंह उर्फ़ सिद्धू अपने चचेरे भाई पिंकू सिंह की पत्नी को करीब चार वर्ष पूर्व अपने साथ बहला फुसलाकर भगा ले गया था। तब से मृतक का पूरा परिवार हिमाचल में रह रहा था। अभय सिंह अभी भी हिमाचल में ही भगाई गयी पत्नी के साथ ही रह रहा है। मृतक अच्छे अपने एक भाई के साथ अभी कुछ दिन पूर्व ही हरदोई आया था और किराए पर कमरा लेकर रह रहा था। मृतक सोमवार को ही गांव वोटर लिस्ट में अपना वोट देखने आया था । मंगलवार की सुबह करीब ०7:30 बजे मृतक के चचेरे भाई अंकित सिंह ने भाई पिंकू सिंह, पिता जगदीश सिंह और दो अन्य लोगों के साथ पुरानी रंजिश को लेकर धारदार हथियारों से हमला कर अच्छे सिंह की हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची बेहटा गोकुल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरिक्षण कर आवश्यक कार्यवाही की है। एसपी मीणा ने हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी के लिए सीओ हरपालपुर के नेतृत्व में टीमों का गठन किया है। पुलिस घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जाँच पड़ताल कर रही है।

## राष्ट्रीय कृमी दिवस पर छात्र छात्राओं को कीड़ों की दवा खिलाई गई

**शाहाबाद ( हरदोई )( राष्ट्रीय प्रस्तावना )।** क्षेत्र के ग्राम ककरघटा स्थित श्री किरणेश सिंह इंटर कालेज में राष्ट्रीय कृमी दिवस पर मंगलवार को छात्र छात्राओं को पेट के कीड़े की दवा खिलवाकर उसकी उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया गया। विद्यालय के प्रबंधक रंजीत सिंह और सीएचसी के प्रभारी डाक्टर प्रवीण दीक्षित ने स्वयं खाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। विद्यालय के प्रबंधक रंजीत सिंह ने कहा भारत में राष्ट्रीय कृमिनाशक दिवस एक महत्वपूर्ण जन स्वास्थ्य की पहल है जिसका उद्देश्य बच्चों और किशोरों को आंतों के कृमि संक्रमण से बचाना है। राष्ट्रीयस्तर पर मनाया जाने वाला यह कार्यक्रम

1 से 19 वर्ष की आयु के बच्चों को सुरक्षित कृमिनाशक दवा उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और समग्र विकास में सुधार लाने पर केंद्रित है। जो विश्व के सबसे बड़े विद्यालय आधारित स्वास्थ्य कार्यक्रमों में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस एक स्वस्थ और मजबूत भावी पीढ़ी के निर्माण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को जारी रखता है। सीएचसी के प्रभारी डाक्टर प्रवीण दीक्षित ने अपने सम्बोधन में कहा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी) भारत सरकार की एक पहल है, जिसे 2015 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नियमित कृमिनाशक दवा वितरण के माध्यम से बच्चों में मिट्टी, दूषित पानी से फैलने वाले कृमियों आंतों के कीड़े को समाप्त करना है। इन संक्रमणों के कारण बच्चों में एनीमिया, कुपोषण, कमजोरी, विकास में कमी और सीखने की क्षमता में गिरावट आती है। इस अवसर पर स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता कुलदीप यादव, स्कूल का समस्त स्टॉफ और छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

## मां दुर्गा की प्राण प्रतिष्ठा एवं सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

**हरपालपुर ( हरदोई )( राष्ट्रीय प्रस्तावना )।** पलिया गांव स्थित मां फूलमती देवी मंदिर परिसर में मां दुर्गा की प्राण प्रतिष्ठा एवं सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। मंगलवार को सुबह बड़ी संख्या में महिलाएं और कन्याएं पारंपरिक वेशभूषा में कलश लेकर गांव की चियासर गंगा घटना पहुंचीं, जहां विधिवत पूजन के बाद कलश में जल भरा गया। गाजे.बाजे और माता के जयकारों के साथ निकली यह यात्रा गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंची। इस दौरान ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। प्राण प्रतिष्ठा और भागवत महात्म्य कलश स्थापना के उपरांत विद्वान आचार्यों के सानिध्य में मां दुर्गा की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान शुरू हुआ। इसके साथ ही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भी श्रीगणेश किया गया। कथा व्यास ने पंडित अशोक ने भागवत महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत साक्षात श्रीकृष्ण का स्वरूप है और इसके श्रवण मात्र से मनुष्य का कल्याण सुनिश्चित है। इस मौके पर कथा व्यास पंडित अशोक, रामजीवन सक्सेना, सरोज सक्सेना, संजीवन सक्सेना, अरविंद मिश्रा, इंद्रेश अग्निहोत्री, चंद्रप्रकाश, कुलदीप, प्रदीप, अश्वनी अग्निहोत्री, संदीप सक्सेना, मंजेश सक्सेना आदि मौजूद रहें हैं।

## बेटी के घर जा रही मां की मौत, बेटा घायल

**पिहानी ( हरदोई )( राष्ट्रीय प्रस्तावना )।** विकास खंड पिहानी के सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि उनका बेटा घायल हो गया। यह घटना तब हुई जब मां.बेटा सीतापुर से हरदोई में बेटी के घर एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। सीतापुर के शास्त्रीनगर निवासी अमन अपनी मां प्रेमा देवी को बाइक पर बैठाकर बिजगवां स्थित अपनी बहन के घर जा रहे थे। पिहानी पहुंचते ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास तिराहे पर एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक असंतुलित होकर गिर गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल मां.बेटे को पिहानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्रेमा देवी को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल अमन को भी चोटें आई हैं। अपनी मां को खोने के सदमे में वह गहरे दुख में हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मांगलिक कार्यक्रम की खुशियां मातम में बदल गईं। प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल ने मौके पर पहुंचकर ट्रक को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

## जंगली सुअर के हमले से ग्रामीणों में मची अफरा-तफरी

**हरपालपुर ( हरदोई )( राष्ट्रीय प्रस्तावना )।** पलिया गांव में सोमवार की शाम एक जंगली सुअर के हमले से ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। इस हमले में गांव के निवासी भगत यादव और मामा रैदास घायल हो गए। राहत की बात यह रही कि दोनों को मामूली चोटें आईं और समय रहते ग्रामीणों के जुटने पर सुअर पास के एक घने सरसों के खेत में जाकर छुप गया। ग्रामीणों की सूचना पर स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर वन विभाग को जानकारी दी। सरसों की फसल ऊंची होने के कारण जंगली सुअर को ढूंढने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि सुअर के गांव के पास होने से अब खेतों में जाने को लेकर डर का माहौल बना रहा।सूचना के कुछ घंटों बाद वन विभाग की टीम पलिया गांव पहुंची। टीम ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत देते हुए खेत के चारों ओर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। देर शाम तक विभाग की टीम टॉर्च और अन्य उपकरणों के साथ सुअर की लोकेशन का पता लगाने में जुटी रही।

## महिला को भगाने के आरोप में युवक के भाई की धारदार हथियार से निर्मम हत्या

**बेहटा गोकुल ( हरदोई )( राष्ट्रीय प्रस्तावना )।** बेहटागोकुल ;हरदोईद्ध थाना क्षेत्र के बिलहरा गांव में उसे समय हड़कंप मच गया जब पत्नी के भागने के आरोप में युवक के भाई की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई! पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और बताया कि क्षेत्राधिकारी हरपालपुर के नेतृत्व में टीम में गठित कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है! प्राप्त जानकारी के अनुसार बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के बेलहरा गांव में अक्षय सिंह पुत्र छोटकौनू सिंह उम्र 36 वर्ष की गांव के ही अंकित पिंकू व अजीत सिंह ने धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी! अक्षय हिमाचल प्रदेश में रहता था जो 2 साल पहले हरदोई में आकर रहने लगा था वह कल ही वोटर लिस्ट में नाम सही कराने अपने गाँव आया था! इसी बीच मौका पाकर आरोपियों ने उसे पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी! पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चार साल पहले अक्षय का भाई अभय सिंह उर्फ़सिद्धू पिंकू की पत्नी को भगा ले गया था व अभी भी हिमाचल में उसके साथ रह रहा है! इसी रंजिश के चलते घटना को अंजाम दिया गया! पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है व अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है साथ ही क्षेत्राधिकारी हरपालपुर के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपियों के गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है शीघ्र ही गिरफ्तारी भी कर ली जाएगी!

## 24 घंटे के अन्दर पुलिस ने खोज निकाला लापता दो छात्र

**भरावन ( हरदोई )( राष्ट्रीय प्रस्तावना )।** अतरौली थाना क्षेत्र के ग्राम गोनी से स्कूल के लिए निकलकर लापता हुए 15 वर्षीय दो छात्रों को पुलिस ने 24 घंटे के अन्दर गाजियाबाद से सकुशल बरामद कर लिया। साबित कर दिया कि पुलिस चाह ले तो क्राइम पर रोक लगाना सम्भव है किन्तु वहीं कई चोरियों का खुलासा करने में असफल होना लापरवाही भी हो सकती है।

बताते चलें कि गुमशुदगी की तहरीर मिलते ही सक्रिय हो गयी अतरौली पुलिस को कामयाबी आसानी से मिल गयी। गोनी निवासी प्रदीप तेली ने गुमशुदगी की तहरीर देते हुए बताया कि क्षेत्र के कलावती इण्टर कालेज में पढ़ने वाला 15 वर्षीय पुत्र साहिल और जनता बाल विद्यालय में पढ़ने वाला 15 वर्षीय भतीजा शुभम सोमवार की दोपहर 1 बजे साईकिल लेकर स्कूल जाने को कहते हुए घर से निकले थे। दोनों वापस घर नहीं आये। खोज बीन की गयी किन्तु पता नहीं चला तो थाने में दोनों की गुमशुदगी की तहरीर दिया था। अतरौली इंस्पेक्टर सतीश चन्द्र ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस की टीम खोज के लिए तत्काल लगा दी गयी। खोज में पता चला कि दोनों छात्र साइकिल सण्डीला में छोड़कर दिल्ली वाली ट्रेन से गये हैं। लोकेशन के जरिए पुलिस को दोनों की जानकारी गाजियाबाद में होने की मिली। अतरौली पुलिस ने तत्काल गाजियाबाद की जीआरपी पुलिस से सम्पर्क करके दोनों को कस्टडी में ले लिया। परिजनों और उन छात्रों के कहने पर पुलिस ने दोनों को गाजियाबाद में उनके रिस्तेदारी में पहुंचा दिया। फिर अतरौली से पुलिस की टीम गाजियाबाद के लिए रवाना हो गयी। इंस्पेक्टर सतीश चन्द्र ने बताया कि दोनों छात्रों को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया जायेगा।

# महाशिवरात्रि को लेकर आई.जी. ने किया सकाहा मंदिर का भ्रमण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

**शाहाबाद ( हरदोई )।** महाशिवरात्रि पर्व को लेकर लखनऊ परिक्षेत्र के आई जी किरण एस ने मंगलवार की शाम बेहटा गोकुल थाना के अंतर्गत सकाहा शिव मंदिर का भ्रमण किया और शिवरात्रि पर्व सकुशल सम्पन्न करवाने के लिए पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मलका पुर में एक परिवार को बंधक बनाकर लाखों की डकैती की सूचना पर लखनऊ परिक्षेत्र के आईजी किरण एस घटना स्थल का निरिक्षण करने मंगलवार की शाम की करीब 4 बजे शाहाबाद गए थे। शाहाबाद से वापस लौटते समय महा शिवरात्रि पर्व को लेकर बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम सकाहा स्थित शिव मंदिर का उन्होंने एसपी अशोक कुमार मीणा, सीओ हरपालपुर और थाना प्रभारी के साथ भ्रमण किया। उन्होंने मंदिर परिसर के प्रवेश द्वार और मंदिर मार्ग का निरिक्षण कर सुरक्षा व्यबस्था का जायजा लिया और पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने पुलिस बल के साथ पैदल गस्त कर लोगों को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया।

## कछौना सीएचसी में शुरू हुआ फाइलेरिया उन्मूलन अभियान, हरी झण्डी दिखाकर हुई अभियान की शुरुआत

कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाते भाजपा पदाधिकारी व उपस्थित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

**कछौना ( हरदोई )।** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन को लेकर मंगलवार को विशेष अभियान की शुरुआत की गई! यह अभियान 10 फरवरी से 28 फरवरी तक चलेगा अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा आमजन को फाइलेरिया से बचाव के प्रति जागरूक किया गया तथा बीमारी से संबंधित दवा भी खिलाई गई!

इस दौरान डिप्टी सीएमओ डॉ० समीर वैश्य ने बताया कि फाइलेरिया एक संक्रामक रोग है जो मच्छरों के काटने से फैलता है और समय पर इलाज न होने से व्यक्ति को हाथीपाँव व पीलपाँव जैसी गंभीर बीमारी क़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है! इसी को ध्यान में रखते हुए फाइलेरिया उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है ताकि इस बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सके! साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि वह अफवाहों पर ध्यान न देकर स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करें! सीएचसी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शैलेंद्र शुक्ला ने बताया कि अभियान 28 फरवरी तक चलेगा जिसमें स्वास्थ्य केंद्र की ओर से 184 टीमें गठित की गई है जो घर-घर जाकर दवा खिलाएगी! प्रत्येक टीम एक दिन में 10 से 20 घरों में जाकर दवा खिलाएगी लेकिन जीरो से 2 वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, गंभीर बीमारियों ग्रसित व खाली पेट दवा नहीं लेनी है! स्वास्थ्य केंद्र पर यह अभियान बुधवार शनिवार और रविवार को छोड़कर शेष दिन चलेगा! अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को दवा का सेवन स्वयं उनके सामने करवाकर सुनिश्चित किया कि दवा पूरी तरह सुरक्षित है साथ ही लोगों से अपील की कि फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लें और स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग दें! इस दौरान भाजपा पदाधिकारीयों ने हरी झंडी दिखाकर अभियान की विधिवत शुरुआत की और गांव-गांव जाकर दवा वितरण व जन जागरूकता कार्यक्रम चलाने की योजना भी बनाई!

कार्यक्रम के मौके पर मुख्य रूप से डिप्टी सीएमओ डॉ० समीर वैश्य, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ० जितेंद्र, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ० शैलेंद्र शुक्ला, भाजपा मंडल अध्यक्ष मयंक सिंह, सुशील गुप्ता, अजय बाजपेई, सत्य प्रकाश मिश्रा, अरुण वर्मा, संजय सिंह और स्वास्थ्य विभाग से विकास सिंह, मनीष, संतोष कुमारी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे!

## पीएम श्री विद्यालय में वार्षिकोत्सव पर बच्चों ने दर्शाया शिक्षा का महत्व

राष्ट्रीय प्रस्तावना

**भरावन ( हरदोई )।** मंगलवार को क्षेत्र के पीएम श्री विद्यालय राममदार पुर में वार्षिकोत्सव के दौरान बच्चों अपने मंचन से उपस्थित गणमान्यों को शिक्षा का महत्व दर्शाया।

बताते चलें कि मंगलवार को पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय राममदार पुर में वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ जिसके मुख्य अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संजीव पांडे ने माता सरस्वती पूजन कर दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। बच्चों बच्चों ने सरस्वती वंदना के उपरांत, सर्व धर्म शिक्षा, योग, जैसे कई कार्यक्रम के उपरांत नुक्कड़ नाटक की भी मनमोहक प्रस्तुति दी। उपस्थित, आरपी श्याम किशोर तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में विद्यालय परिवार की सराहना कर अभिभावकों से अनुरोध किया कि वह अपने बच्चों को प्रतिदिन स्कूल अवश्य भेजें। साथ ही मुख्य अतिथि संजीव पांडे व सभी उपस्थित आगंतुक शिक्षकों ने इंचार्ज नीलिमा व विद्यालय परिवार की सराहना करते हुए मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष हरीशंकर, शंकुल आदित्य मिश्रा, शिक्षक नूतन मिश्रा, ललित सिंह, पूनम सिंह, कविता वर्मा, नीलम, सोनी, दीपिका, रमेश अवस्थी, वंदना शुक्ला, अनीता वाजपेई, विभा, मौसमी व ग्राम प्रधान सहित अभिभावक व बच्चे उपस्थित रहे।

## पिहानी में शांति समिति की बैठक महाशिवरात्रि होली और रमज़ान के लिए शांति का संकल्प

राष्ट्रीय प्रस्तावना

**पिहानी ( हरदोई )।** कोतवाली परिसर में मंगलवार को एक शांति समिति (पीस कमेटी) की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी महाशिवरात्रि, होली और रमजान त्योहारों को शांतिपूर्ण तथा सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने के लिए पुलिस प्रशासन और नगर के गणमान्य नागरिकों ने संकल्प लिया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए कोतवाली प्रभारी छोटेलाल ने नागरिकों से अपील की। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान और अन्य नागरिक अपने-अपने क्षेत्रों की हर छोटी-बड़ी गतिविधि की जानकारी पुलिस को दें ताकि किसी भी गलतफहमी या विवाद को समय रहते सुलझाया जा सके। इंस्पेक्टर छोटेलाल ने स्पष्ट किया कि त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं अशांति फैलाने के लिए नहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि नई परंपराओं के नाम पर माहौल बिगाड़ने या अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं शांति बनाए रखने वालों को पुलिस का पूरा सहयोग मिलेगा। बैठक में पंचायत चुनाव के मद्देनजर किसी भी षड्यंत्र या आपसी रंजिश से दूर रहने की सलाह दी गई। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि नई परंपरा डालने या माहौल बिगाड़ने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। सभी समुदायों के प्रतिनिधियों ने इस अवसर पर एक-दूसरे के त्योहारों में सहयोग करने और क्षेत्र में शांति बनाए रखने का संकल्प लिया। इस बैठक में पूर्व सभासद राजीव गुप्ता, अरुण गुप्ता, राजू मिश्रा, दुर्गेश पांडे, मौलाना मसनुदुद्दीन कारी आबिद हबीब हाफिज तौहिद विमलेश तिवारी बुजुर्ग व प्रधान तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है, कि वेदमूर्ति पुत्र कैलाश नारायण, निवासी-ग्राम पंचायत शंकरपुर, विकास खण्ड-शाहाबाद, जनपद-हरदोई ने भ्रामक तथ्यों एवं कूट रचित प्रपत्रों के आधार पर स्वयं और अपने परिवार को ग्राम पंचायत-विहिगांवा के परिवार रजिस्टर में दर्ज कराया जिसमें उनके द्वारा स्वयं को बाबू त्रिवेदी पुत्र कैलाश परिवार सहित दर्शित किया गया। जाँच में पाया गया कि बाबू त्रिवेदी पुत्र कैलाश जो कि अपने परिवार सहित ग्राम पंचायत शंकरपुर के परिवार रजिस्टर में वेदमूर्ति पुत्र कैलाश नारायण के नाम से परिवार सहित दर्ज हैं। अतः वेदमूर्ति पुत्र कैलाश नारायण, निवासी-ग्राम पंचायत शंकरपुर, विकास खण्ड-शाहाबाद, जनपद-हरदोई को जारी की गई ग्राम पंचायत विहिगांवा के परिवार रजिस्टर की नकल जो कि बाबू त्रिवेदी पुत्र कैलाश के नाम से है, जिसको रद्द कर दिया गया है। अब वेदमूर्ति पुत्र कैलाश नारायण द्वारा बाबू त्रिवेदी पुत्र कैलाश नाम से जारी नकल का प्रयोग किसी कार्यालय या न्यायालय में अमान्य माना जायेगा।

अमर सिंह
सचिव
ग्राम पंचायत-विहिगांवा,
विकास खण्ड-शाहाबाद, जनपद-हरदोई।

## नयी फिल्मों में हावी पुराना म्यूजिक

'90 के दशक का संगीत फिल्मकारों को शिद्दत से याद आने लगा है। दरअसल पुरानी फिल्मों के सुपरहिट गानों को नयी फिल्म में सिचुएशन के हिसाब से फिट कर दिया जाता है। आज के ज्यादातर संगीतकार व गायक नया सृजन करने में विफल रहे। यूं भी पुराने हिट गानों के मुखड़े लोगों को ज्यादा याद रहते हैं। हाल-फिलहाल की फिल्मों पर गौर फरमाएं तो हमारी बॉलीवुड फिल्मों में संगीत का स्लॉट भरने के लिए सिचुएशन-बेस्ड पुरानी फिल्मों के गानों को रखा जा रहा है। खास तौर पर '90 के दशक का संगीत हमारे फिल्मवालों को शिद्दत से याद आने लगा है। ताजा उदाहरण है आदित्य धर की सुपरहिट फिल्म 'धुरंधर'। सच्चाई ये है कि भारतीय फिल्म संगीत का सुनहरा दौर '90 के दशक के सुरीले समय के बाद से लगभग शांत हो चुका है। इसी के चलते अब फिल्मों में पुराना '90 का संगीत हावी होने लगा है। ज्यादातर संगीतकार व गायक कुछ नया करने में अक्षम साबित हुए हैं। इनका सृजन सिर्फ नकल आधारित होता है। इंतहा ये कि 'मोहरा' का तू चीज बड़ी है मस्त-मस्त, 'तेजाब' का एक दो तीन या 'जुड़वां' का चलती है क्या नौ से बारह जैसे कई लोकप्रिय गानों के अपने सस्ते रीमिक्स को अपना गाना बता रहे हैं। ऐसे में पुराने सुपरहिट फिल्मी गानों का दबदबा भी जबरदस्त बना हुआ है। रीमिक्स की बात छोड़ दें तो अक्सर '60, '70 और '80 के दशक के हिट गानों को फिल्मों में भी धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। हिट फिल्मों के एक निर्माता कहते हैं, 'कई बार कुछ सिचुएशन-बेस्ड गानों में पुरानी फिल्मों का कोई गाना फिट बैठता है। ऐसे में कॉपीराइट विवाद सुलझाते हुए ऐसे हिट गानों का इस्तेमाल किया जा रहा है।'रीमिक्स गानों ने बॉलीवुड फिल्मों का बहुत कबाड़ा किया। इनमें कई दिग्गज नाम शामिल हैं। एक-दो पंक्तियां गुनगुनाने की बजाय पुराने गाने का मुखड़ा ही क्यों गाया जाता है, एक दिग्गज का जवाब दिलचस्प होता है, 'पुराने हिट गानों के मुखड़े लोगों को ज्यादा याद रहते हैं। इसलिए मैंने कुछ फिल्मों में कुछ नया क्रिएट करने की बजाय पुराने गानों की हिट लाइन को रखना ज्यादा ठीक समझा।' संगीत के बेसुरे लोगों को अब किसी बड़े संगीत आयोजन में कोई याद नहीं करता। टीवी रियलिटी शो में ये जरूर जुगाड़ कर जज बन जाते हैं, पर यहां भी '90 के किसी लोकप्रिय गायक या पुराने किसी संगीतकार को आमंत्रित जज के तौर पर याद किया जाता है। ऐसे में '90 के दशक के गायक उदित नारायण, अलका याज्ञिक, साधना सरगम, कुमार शानू, सुरेश वाडकर, रूप कुमार राठौड़ और अभिजीत को उनकी मुंहमांगी फीस पर बुलाया जाता है। प्रायोजकों को यह बात समझ में आ गई है कि अगर वे अपने चार-पांच हिट गाने भी गा देते हैं, तो अच्छी टीआरपी मिल जाती है। नए संगीतकारों की निरर्थकता के चलते ही '90 के हिट गानों को एंट्री मिली है। असल में अमित त्रिवेदी, साजिददृवाजिद, विशाल,शेखर, अंकित तिवारी जैसे नए दौर के संगीतकारों में प्रीतम जैसे ही कुछेक संगीतकार हैं, जो कभी-कभी कर्णप्रियता का दामन थाम लेते हैं। अपरिपक्व निर्देशक भी संगीत को संभालने में विफल साबित हुए। एकमात्र संजय लीला भंसाली ही इस मामले में काफी उम्मीद जगाते हैं। उनकी फिल्मों में हमेशा दो-तीन सुरीले गाने होते हैं। फिल्म 'धुरंधर' में तीन-चार पुराने हिट गानों का बेहद बेहतरीन इस्तेमाल हुआ है। इसके निर्देशक आदित्य धर कहते हैं, 'सिचुएशन-बेस्ड नए गाने बनवाने की बजाय मुझे यह तरीका ज्यादा अच्छा लगा। इसलिए मैंने हिट कव्वाली 'ना तो कारवां की तलाश है' जैसे गानों को सिचुएशन के मुताबिक रखा।' सवाल है कि आखिर '90 के हिट गानों पर ही हमारे फिल्मवालों की नजर क्यों है। दरअसल ज्यादातर नए संगीतकारों को '60, '70 और '80 के दशक का सजीदा संगीत बहुत कम समझ में आता है। '90 का संगीत ही ऐसा है, जिसे वे समझ पाते हैं।

**हाल-फिलहाल की फिल्मों पर गौर फरमाएं तो हमारी बॉलीवुड फिल्मों में संगीत का स्लॉट भरने के लिए सिचुएशन-बेस्ड पुरानी फिल्मों के गानों को रखा जा रहा है। खास तौर पर '90 के दशक का संगीत हमारे फिल्मवालों को शिद्दत से याद आने लगा है। ताजा उदाहरण है आदित्य धर की सुपरहिट फिल्म 'धुरंधर'। सच्चाई ये है कि भारतीय फिल्म संगीत का सुनहरा दौर '90 के दशक के सुरीले समय के बाद से लगभग शांत हो चुका है। इसी के चलते अब फिल्मों में पुराना '90 का संगीत हावी होने लगा है।**

# ओटीटी की भाषा, हिन्दी और हम

डा. अवधेश कुमार यादव

**ओटीटी पर अश्लील कंटेंट की बाढ़ से न केवल संस्कृति का सत्यानाश हो रहा है, बल्कि समाज में भाषा की गंभीर समस्या भी उत्पन्न हो रही है। रियलिज्म और ऑथेंटिसिटी के नाम पर अश्लील सीन और संवाद आम हो गए हैं, लेकिन क्या वास्तविक जीवन में हर व्यक्ति हर वाक्य में गाली देता है? क्या कॉलेज के छात्रों की सामान्य भाषा इतनी गंदी होती है? यह सब युवा पीढ़ी पर गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल रहा है। बच्चे और किशोर इन शब्दों को सुन-देखकर अपनी भाषा में शामिल कर लेते हैं, जिससे समाज में गाली-गलौज सामान्य लगने लगी है। 2025 में स्थिति और गंभीर हुई तो सरकार ने अश्लील और पोर्नोग्राफिक कंटेंट के खिलाफ सख्त कदम उठाए। जुलाई 2025 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स (जिनमें उल्लू, एएलटीटी, बिग शॉट्स, डेसिफ्लिक्स, नियॉनएक्स वीआईपी इत्यादि) को ब्लॉक कर दिया, क्योंकि ये अश्लील, वल्गर और पोर्नोग्राफिक सामग्री प्रसारित कर रहे थे।**

चण्डीगढ़ के गुप्ता जी रविवार के दिन मनोरंजन के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी वेब सीरीज देख रहे थे। उनका पांच साल का बेटा मोबाइल गेम में व्यस्त था। तभी टेलीविजन स्क्रीन पर पात्र अचानक से एक-दूसरे को जोर-जोर से गालियां देने लगे, जिसे देखकर उनका बेटा भी जोर-जोर से दोहराने लगा। गुप्ता जी रिमोट से सीरीज बंद कर देते हैं और मन ही मन सोचते हैं कि यह क्या हो रहा है? बचपन में तो हम अखबार पढ़कर भाषा सीखते थे। संपादकीय पन्नों से नए शब्द, मुहावरे और व्याकरण की बारीकियां आत्मसात करते थे। अब ये ओटीटी प्लेटफॉर्म्स बच्चों की जुबान गंदी कर रहे हैं। हिंदी न्यूज चैनल तो हिंग्लिश में ब्रेकिंग न्यूज चला रहे हैं। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों से पढ़े पत्रकार 'ग्राउंड जीरो' और 'एक्सक्लूसिव' जैसे शब्द हिंदी में लिखकर प्रसारित कर देते हैं। ओटीटी ने 'रियलिज्म' के नाम पर अश्लीलता की सारी हदें पार कर दी हैं। एक समय था जब हिंदी भाषा की शुद्धता, व्याकरण और वर्तनी का सबसे बड़ा शिक्षक अखबार हुआ करता था। 19वीं सदी के अंत से लेकर 20वीं सदी के अधिकांश भाग तक अखबार घर-घर में भाषा सिखाते थे। लोग संपादकीय, लेख और समाचार पढ़कर नए शब्द सीखते, मुहावरे समझते और व्याकरण की बारीकियां आत्मसात करते। हिंदी की लयबद्धता, संस्कृतनिष्ठ शब्दावली और उर्दू की मिठास का सुंदर संयोजन अखबारों की भाषा में झलकता था। वह दौर था जब भाषा को सम्मान दिया जाता था और उसे सँवारने का सतत प्रयास होता था। फिर, टेलीविजन का दौर आया। 1980-90 के दशक में दूरदर्शन पर सरकारी नियंत्रण के कारण भाषा काफी हद तक शुद्ध बनी रही, लेकिन निजी न्यूज चैनलों के उदय के साथ सब कुछ बदल गया। अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा ने नई पीढ़ी को हिंदी से दूर कर दिया। स्कूलों में अंग्रेजी को प्रधानता मिली, हिंदी को माध्यमिक भाषा का दर्ज़ा दिया जाने लगा। अंग्रेजी माध्यम से पढ़े-लिखे युवा जब हिंदी न्यूज चैनलों में पत्रकार बने, तो उन्होंने हिंदी में अंग्रेजी के शब्दों को जबरदस्ती घुसेड़ना शुरू कर दिया। ब्रेकिंग न्यूज, ग्राउंड जीरो, एक्सक्लूसिव, स्पॉटलाइट, सोर्सेज के मुताबिक, डेवलपमेंट्स हो रही है जैसे वाक्य आम हो गए। ब्रेकिंग न्यूज की होड़ में अनुवाद की जल्दबाजी ने व्याकरण और शुद्धता को ताक पर रख दिया। चैनलों पर चीख-चीखकर खबरें पढ़ी जाने लगीं, जिससे भाषा की मर्यादा भी कमजोर पड़ गई। लेकिन असली तबाही ओटीटी (ओवर-द-टॉप) प्लेटफॉर्म्स के साथ आयी। नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम वीडियो, डिज़्नी प्लस, हॉटस्टार, ज़ी फाइव आदि पर हिंदी वेब सीरीज ने भाषा की सारी पारंपरिक सीमाएं तोड़ दीं। संवाद अब शुद्ध हिंदी में नहीं, बल्कि हिंग्लिश, क्षेत्रीय बोलियों के मिश्रण और सबसे ज्यादा गालियों से भरे होते हैं। मिर्ज़ापुर, सेक्रेड गेम्स, पाताल लोक, कॉलेज रोमांस, हॉस्टल डेज़ जैसी वेब सीरीज में हर दूसरे वाक्य में अश्लील शब्द सुनाई देते हैं। ये शब्द अब सिर्फ पात्रों की भाषा नहीं रहे, बल्कि युवाओं की रोजमर्रा की जुबान बनते जा रहे हैं। ओटीटी पर अश्लील कंटेंट की बाढ़ से न केवल संस्कृति का सत्यानाश हो रहा है, बल्कि समाज में भाषा की गंभीर समस्या भी उत्पन्न हो रही है। रियलिज्म और ऑथेंटिसिटी के नाम पर अश्लील सीन और संवाद आम हो गए हैं, लेकिन क्या वास्तविक जीवन में हर व्यक्ति हर वाक्य में गाली देता है? क्या कॉलेज के छात्रों की सामान्य भाषा इतनी गंदी होती है? यह सब युवा पीढ़ी पर गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल रहा है। बच्चे और किशोर इन शब्दों को सुन-देखकर अपनी भाषा में शामिल कर लेते हैं, जिससे समाज में गाली-गलौज सामान्य लगने लगी है। 2025 में स्थिति और गंभीर हुई तो सरकार ने अश्लील और पोर्नोग्राफिक कंटेंट के खिलाफ सख्त कदम उठाए। जुलाई 2025 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स (जिनमें उल्लू, एएलटीटी, बिग शॉट्स, डेसिफ्लिक्स, नियॉनएक्स वीआईपी इत्यादि) को ब्लॉक कर दिया, क्योंकि ये अश्लील, वल्गर और पोर्नोग्राफिक सामग्री प्रसारित कर रहे थे। यह कार्रवाई आईटी एक्ट, 2000 और 2021 के इंटरमीडियरी गाइडलाइंस के तहत की गई। इससे पहले 2024 में भी 18 प्लेटफॉर्म्स पर ऐसी ही कार्रवाई हुई थी। कुल मिलाकर, जुलाई 2025 तक 43 प्लेटफॉर्म्स ब्लॉक हो चुके हैं। सरकार ने 2024 के अंत से ही ओटीटी कंटेंट के लिए नए दिशा-निर्देशों पर काम शुरू किया था, जिसमें प्रोफ़ेनिटी (गाली-गलौज) को बीप करना, अश्लील सीन को ब्लर करना और इंटीमेट सीन के वैकल्पिक चित्रण को बढ़ावा देना शामिल है। हालांकि मुख्यधारा के प्लेटफॉर्म्स जैसे नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम आदि पर अभी भी सेंसरशिप नहीं है, बल्कि सेल्फ-रेगुलेशन और आईटी रूल्स 2021 के तहत तीन-स्तरीय तंत्र है। दिसंबर 2025 में सरकार ने लोकसभा में स्पष्ट किया कि ओटीटी कंटेंट सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) के दायरे में नहीं आता, बल्कि अलग से आईटी रूल्स के तहत नियंत्रित होता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कई मामलों में कहा है कि प्रोफ़ेनिटी अपने आप में ओब्सेनिटी नहीं है (जैसे कॉलेज रोमांस मामले में 2024 का फैसला), लेकिन अश्लीलता और बच्चों की सुरक्षा पर चिंता जताई है। अप्रैल 2025 में कोर्ट ने एक याचिका पर केंद्र, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया को नोटिस जारी किया था। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है क्योंकि भाषा सिर्फ संवाद का साधन नहीं, बल्कि संस्कृति और समाज का दर्पण है। जब भाषा में गंदगी आएगी, तो समाज में भी वह फैलेगी। युवा पीढ़ी की जुबान खराब हो रही है। अखबारों ने हिंदी को ऊंचा उठाया, टीवी ने गिराया और ओटीटी ने इसे गटर तक पहुंचा दिया। अब समय आ गया है कि सेन्सरशिप या सख्त रेगुलेशन को जरूरी माना जाए। सरकार को चाहिए कि मुख्यधारा ओटीटी पर भी प्रोफ़ेनिटी फिल्टर, आयु-आधारित सख्त क्लासिफिकेशन और ब्लरिंग जैसे उपाय अनिवार्य करे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन बच्चों की सुरक्षा, सांस्कृतिक गरिमा और भाषा की पवित्रता इससे ज्यादा महत्वपूर्ण है। ओटीटी ने मनोरंजन के नाम पर भाषा और संस्कृति को भारी नुकसान पहुंचाया है। अब हमें तय करना है कि हमारी आने वाली पीढ़ियां अखबारों की शुद्ध हिंदी सीखे या ओटीटी की गालियों से भरी जुबान अपनाए। सेन्सरशिप नहीं तो कम से कम सख्त रेगुलेशन जरूरी है, वरना हिंदी की दुर्गति रुकने का नाम नहीं लेगी।

# सदनों में जनता के प्रति जनप्रतिनिधियों का रवैया

प्रेम शर्मा

**देश का केन्द्र एवं राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वालों की संख्या कम नही है। लेकिन सत्तापक्ष औंर विपक्ष जिस तरह से सदन में जनभावनाओं से प्रेरित, देश विकास में समर्पित मुद्दों से भटककर आरोप प्रत्यारोप में सदन का वक्त जाया करने के साथ जनता की गाढ़ी कमाई बरबाद करता है वह वाकई जनता के लिए पीड़ा कारी है। एक आकड़े के अनुसार एक घंन्टे अगर केन्द्र सरकार के सदन में हंगामा हो जाए तो 1.5 करोड़ और विधानसभाओं में लगभग 25 से 50 लाख रूपये बरबाद होते है जो जनता के टैक्स का पैसा होता है। यह स्थिति केवल संसद में नही बल्कि विधानसभाओं में भी लगातार जारी है। एक समय था कि जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन दलगत पार्टी से हटकर जनहित में निभाते थे।**

भारत में मुख्य जनप्रतिनिधियों में लोकसभा के 543 निर्वाचित सांसद और राज्यसभा के 245 (233 निर्वाचित-12 मनोनीत) सदस्य शामिल हैं, जो राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके अलावा, राज्यों की विधानसभाओं में कुल 4,120 विधायक होते हैं। 18वीं लोकसभा (2024-2029) में कुल 543 सांसद चुने गए हैं। यानि देश का केन्द्र एवं राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वालों की संख्या कम नही है। लेकिन सत्तापक्ष औंर विपक्ष जिस तरह से सदन में जनभावनाओं से प्रेरित, देश विकास में समर्पित मुद्दों से भटककर आरोप प्रत्यारोप में सदन का वक्त जाया करने के साथ जनता की गाढ़ी कमाई बरबाद करता है वह वाकई जनता के लिए पीड़ा कारी है। एक आकड़े के अनुसार एक घंन्टे अगर केन्द्र सरकार के सदन में हंगामा हो जाए तो 1.5 करोड़ और विधानसभाओं में लगभग 25 से 50 लाख रूपये बरबाद होते है जो जनता के टैक्स का पैसा होता है। यह स्थिति केवल संसद में नही बल्कि विधानसभाओं में भी लगातार जारी है। एक समय था कि जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन दलगत पार्टी से हटकर जनहित में निभाते थे। अब योजनाओं पर विचार करने के बजाय कुछ ऐसे मुद्दों पर बस चल रही है। अब हमें यह कहने में संकोच होता है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था वाला देश है। यह वही भारतीय संसद है जहां 1950 के दशक में एक नए सांसद अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की आलोचना पर प्रधानमंत्री जी विचलित नहीं हुए बल्कि उस युवा सांसद के पास जाकर उसके भाषण की तारीफ की और यह कह दिया कि तुम एक दिन इस देश के प्रधानमंत्री बनोगे और वही युवा सांसद अटल बिहारी वाजपेयी जब देश का विदेश मंत्री बना तो उसने देखा कि उनके कार्यालय जो साउथ ब्लॉक में स्थित था से नेहरू जी की फोटो गायब थी जिस पर उन्होंने आपत्ति जताई और पंडित नेहरू की फोटो वहां पर फिर लगवा दी गई। यह वही भारत है जब 1991 में नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बने तो उन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत का पक्ष रखने के लिए अपनी पार्टी से कोई नहीं मिला तो उन्होंने नेता विपक्ष अटल बिहारी वाजपेई को जिनेवा में भारत का पक्ष रखने के लिए भेजा। आज लोकसभा और राज्यसभा से लेकर विधानसभाओं तक में बहस का स्तर इतना गिर गया है की समझ में नहीं आ रहा कि हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली कहां जा रही है।संसद और विधानसभाओं में बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, बिजली और पानी की कमी, बुनियादी ढांचे, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित मुद्दों को लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ मजबूती से उठाया जाना चाहिए।संसद में जनहित के मुद्दों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए, लेकिन चर्चा के बजाय हंगामा और असंबंधित बातों से कार्यवाही बाधित करना पूरी तरह गलत है। सत्ता पक्ष और विपक्ष जन मुद्दों को छोड़कर एक दूसरे के चरित्र, कमजोरी लेकर जो दंगल कर रहे है वह ठीक नही है। देश की जनता सब देख रही। आज भारत की संसद और विधानसभाओं में हंगामा है। देश को चलाने वाले नेता एक दूसरे पर लांछन लगा रहे हैं। वे भूल रहे हैं कि लोकतंत्र को चलाना उनका दायित्व है. पहले संसद का, फिर लोकतंत्र का मखौल उड़ाकर, प्रतिष्ठा गिराकर उनका भी लाभ नहीं होगा।जनप्रतिनिधियों को सदन की गरिमा बनाए रखते हुए जनभावनाओं और जनता के विश्वास को याद रखना अनिवार्य है। उन्हें शोर-शराबे और नियोजित गतिरोध के बजाय सार्थक चर्चा और संवाद के माध्यम से व्यापक जनहित के मुद्दों का समाधान करना चाहिए। संसद और विधानसभा संवाद और विकास का मंच है, जहाँ जनप्रतिनिधियों का दायित्व जनभावनाओं को आवाज देना है, न कि व्यवधान डालना। सदनों की मर्यादा के अनुकूल आचरण करना और देश की अपेक्षाओं को पूरा करना प्रत्येक निर्वाचित सदस्य का प्राथमिक कर्तव्य है।जनकल्याण की प्रतिबद्धतारू जनप्रतिनिधियों को निर्वाचित क्षेत्र और संपूर्ण राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित रहकर कर्म करना चाहिए। अगर ये नेता लोकतंत्र की रक्षा न कर सकें तो उन्हें सार्वभौम अधिकार लेने का कोई हक नहीं. लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाना उनका मकसद नहीं होना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में जाने वाली देश की प्रमुख पार्टियां हैं, जो बदल बदल कर सरकार चलाती हैं। उन्हें सदन में और सदन के बाहर अपने आचरण पर विचार करना चाहिए। देश में ही नहीं विदेशों में भी उनकी प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। वैसे तो राजनीति का अभिप्राय राजकाज चलाने वाली नीति से है। इसकामकसद समतामूलक सुसभ्य समाज का निर्माण करना और देश के चहुंमुखी विकास में योगदान देना है। लेकिन दुर्भाग्य से अपने देश में राजनीति का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। यह क्षरण कहां जाकर थमेगा, पुख्ता तौर पर कोई नहीं कह सकता। यह गिरावट एक दिन में नहीं आयी है। आजादी के बाद हमारे संविधान निर्माताओं और नीति नियंताओं ने काफी सोच-विचार कर समाज और देश के विकास का सपना देखा था। तब हमारी गिनती एक लुटे-पिटे गरीब देशों में होती थी। आज हम विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होने का दावा करते हैं, लेकिन नैतिक तौर पर तेजी से पाताल की ओर गिरते जा रहे हैं। सबसे खास बॉत यह कि आज का दौर डिजीटल मीडिया और सोशल मीडिया का दौर है। इस दौर में सामान्य विधायक से लेकर खास विधायक सांसद, मंत्री, नेता सदन, नेता विपक्ष, स्पीकर तथा अन्य जिम्मेदारों की बॉत, हावभाव किसी ना किसी तरीके से आम जनता को देखने,सुनने मिल जाते है। उनका पक्षपात, जनता के प्रति गैरजिम्मेदारी भरा बयान या हरकत सबकुछ रिकार्ड होती रहती है इसके बावजूद सत्तापक्ष और जिस तरह जनविरोधी आचरण सदनों में कर रहा है वह भगवान तुल्य कहे जाने वाले मतदाता और आम जनता के साथ सीधे धोखा है। यानि इतना तय है कि जनता के प्रति अपनी जबाबदेही के लिए पक्ष विपक्ष अपने आप को अलग नही बता सकता।

# सत्ता का भ्रष्ट बाजार और भारत का नैतिक संकल्प

कैलाश चंद्र

**सत्ता अपने आप में न तो अच्छी होती है, न बुरी। उसका मूल्य पूरी तरह उस व्यक्ति के चरित्र पर निर्भर करता है जिसके हाथ में वह होती है। जब सत्ता का संचालन बुद्धिमत्ता, सत्यनिष्ठा और करुणा से होता है, तब वह प्रगति, स्थिरता और सामंजस्य का निर्माण करती है, लेकिन जब वह स्वार्थ, लालच और अहंकार के अधीन हो जाती है तो विनाशकारी बन जाती है। सदगुणों से रहित अधिकार समाज का निर्माण नहीं करता, बल्कि उसे भीतर से तोड़ देता है। यही हमारे समय का मौन संकट है। कोई व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली, धनी, शिक्षित या सम्मानित क्यों न बन जाए, यदि उसका नैतिक और सामाजिक चरित्र भ्रष्ट है, तो वह समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाता है। इतिहास ने बार बार यह सिद्ध किया है कि सत्ता और धन का दुरुपयोग राष्ट्रों की नींव को कमजोर कर देता है।**

आधुनिक युग में मानवता अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रही है। वैज्ञानिक नवाचार, आर्थिक विस्तार और राजनीतिक प्रभाव उन ऊंचाइयों तक पहुंच चुके हैं, जिन्हें मानव इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। राष्ट्र अधिक शक्तिशाली हो गए हैं, तकनीक अधिक बुद्धिमान हो गई है और लोग पहले से कहीं अधिक जुड़े हुए हैं। किंतु इस शक्ति और क्षमता के बढ़ते विस्तार के साथ साथ चरित्र, नैतिकता और मानवीय संवेदनशीलता में एक चिंताजनक गिरावट भी दिखाई दे रही है। आज दुनिया एक विरोधाभासी मोड़ पर खड़ी है, जहां भौतिक प्रगति तेजी से आगे बढ़ रही है, वहीं समाज की नैतिक और आचारिक नींव कमजोर पड़ती जा रही है। सत्ता अपने आप में न तो अच्छी होती है, न बुरी। उसका मूल्य पूरी तरह उस व्यक्ति के चरित्र पर निर्भर करता है जिसके हाथ में वह होती है। जब सत्ता का संचालन बुद्धिमत्ता, सत्यनिष्ठा और करुणा से होता है, तब वह प्रगति, स्थिरता और सामंजस्य का निर्माण करती है, लेकिन जब वह स्वार्थ, लालच और अहंकार के अधीन हो जाती है तो विनाशकारी बन जाती है। सदगुणों से रहित अधिकार समाज का निर्माण नहीं करता, बल्कि उसे भीतर से तोड़ देता है। यही हमारे समय का मौन संकट है। कोई व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली, धनी, शिक्षित या सम्मानित क्यों न बन जाए, यदि उसका नैतिक और सामाजिक चरित्र भ्रष्ट है, तो वह समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाता है। इतिहास ने बार बार यह सिद्ध किया है कि सत्ता और धन का दुरुपयोग राष्ट्रों की नींव को कमजोर कर देता है। जब प्रभावशाली पदों पर बैठे लोग सामूहिक हित के बजाय निजी लाभ को प्राथमिकता देने लगें तब भ्रष्टाचार एक रोग की तरह फैलता है। संस्थाएं कमजोर पड़ जाती हैं, विश्वास समाप्त हो जाता है और लोगों का न्याय तथा निष्पक्षता पर भरोसा डगमगाने लगता है। देखने में आज यही आ रहा है कि यह संकट किसी एक देश तक सीमित नहीं है। वैश्विक युग में नैतिक पतन हर महाद्वीप पर दिखाई देता है। धन, प्रसिद्धि और नियंत्रण की अंधी दौड़ ने ऐसी संस्कृति को जन्म दिया है, जहां सफलता का मापदंड अक्सर नैतिक आचरण के बजाय भौतिक उपलब्धियां बन गई हैं। भोगवाद और उपभोक्तावाद जीवनशैली पर हावी हैं। डिजिटल लत ने सार्थक मानवीय संबंधों की जगह ले ली है। कृत्रिम लोकप्रियता ने सच्चे सम्मान को पीछे छोड़ दिया है। संसाधनों की होड़ तीव्र और कई बार निर्मम हो चुकी है। शक्तिशाली राष्ट्र, विशाल कॉरपोरेट साम्राज्य और प्रभावशाली वैश्विक संस्थाएं मानव मूल्यों की रक्षा और विकास को बढ़ावा देने का दावा करती हैं। वे कल्याण, मानवाधिकार और प्रगति की भाषा बोलती हैं। परंतु इस सुसज्जित छवि के पीछे एक चिंताजनक सच्चाई भी छिपी है। अपार धन और संसाधनों ने कई बार इन व्यवस्थाओं को मानवीय पीड़ा के प्रति उदासीन बना दिया है। लालच फैसलों को संचालित करता है। विकास के नाम पर पर्यावरण का विनाश जारी है। तकनीकी प्रगति कई बार मानसिक और सामाजिक बंधन का कारण बन जाती है। आधुनिकीकरण की दौड़ में सांस्कृतिक परंपराएं धीरे -धीरे क्षीण हो रही हैं। मनोरंजन उद्योग पर्दे पर ऐसे अतिरंजित नायकों को महिमामंडित करता है जो दुनिया को बचाते हैं, जबकि वास्तविक दुनिया में होने वाले अनेक कार्य विभाजन, संघर्ष और शोषण को बढ़ावा देते हैं। जो राष्ट्र लोकतंत्र और समानता के मूल्यों का गर्व से गुणगान करते हैं, वे कभी कभी युद्धों, संसाधनों के दोहन और आर्थिक प्रभुत्व में भी भागीदार बनते हैं। शब्दों और कर्मों के बीच की खाई इतनी चौड़ी हो गई है कि उसे अब अनदेखा नहीं किया जा सकता। मानवता की चिंता का भव्य प्रदर्शन उसके भीतर छिपे पाखंड को अब नहीं ढक सकता। दुनिया जिस गति से मूल्यहीन जीवन की ओर बढ़ रही है, वह चिंताजनक है। नैतिकता को धीरे धीरे विकल्प की तरह देखा जाने लगा है और सफलता को जिम्मेदारी से अलग कर दिया गया है। यह नैतिक संकट अब एक वैश्विक महामारी का रूप ले चुका है। ऐसे समय में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है, यह एक ऐसी सभ्यता है जिसने हजारों वर्षों से संतुलन, करुणा, सत्य और सामूहिक कल्याण पर बल दिया है। इसकी सांस्कृतिक चेतना आत्मसंयम, कर्तव्य और सामंजस्य के सिद्धांतों में निहित है। वसुधैव कुटुंबकम का विचार, धर्मपूर्ण आचरण पर बल और आंतरिक चरित्र पर केंद्रित दृष्टि भारतीय चिंतन का मूल रहे हैं। ऐसे समय में, जब नैतिक भ्रम तेजी से फैल रहा है, ये शाश्वत मूल्य मार्गदर्शक प्रकाश बन सकते हैं। आज भारत विश्व को नैतिक संतुलन और मानवीय संवेदनशीलता की दिशा दिखाने की क्षमता में है, किंतु यह जिम्मेदारी घर से ही शुरू होती है। भारत के लोगों को पहले उन शक्तियों से स्वयं को बचाना होगा जो दुनिया भर के समाजों को कमजोर कर रही हैं, अनियंत्रित महत्वाकांक्षा, अंधा भौतिकवाद और चरित्र का क्षरण। यह आत्ममंथन का समय है। हर व्यक्ति को कुछ कठिन किंतु आवश्यक प्रश्न स्वयं से पूछने होंगे। क्या हमारी शक्ति हमारे चरित्र द्वारा संचालित है? क्या हमारी शिक्षा हमें बुद्धिमान और जिम्मेदार बनाती है या सिर्फ कुशल और महत्वाकांक्षी? क्या हम अपनी व्यक्तिगत सफलता को ईमानदारी और सामाजिक योगदान से जोड़ते हैं? क्या हम व्यक्तिगत लाभ से ऊपर राष्ट्रीय और सामाजिक हित को रखते हैं? यही प्रश्न सच्चे देशभक्ति के भाव को परिभाषित करते हैं। ध्यान रहे, राष्ट्र से प्रेम शब्दों, उत्सवों या नारों तक सीमित नहीं होता। किसी देश की वास्तविक रक्षा उसकी सीमाओं पर नहीं होती। वह हर दिन लोगों द्वारा किए गए चुनावों में दिखाई देती है। जब कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार के बजाय ईमानदारी चुनता है, सुविधा के बजाय जिम्मेदारी चुनता है और छल के बजाय सत्य को अपनाता है, तब राष्ट्र की रक्षा होती है। जब एक व्यक्ति अपने चरित्र की रक्षा करता है, तो वह अपने राष्ट्र की रक्षा करता है। ईमानदारी का हर कार्य समाज को मजबूत करता है। दया का हर कार्य एकता का निर्माण करता है। अंतरात्मा से लिया गया हर निर्णय देश की नैतिक रीढ़ को सुदृढ़ बनाता है और जब पूरा समाज अपनी नैतिक नींव की रक्षा करने का संकल्प लेता है, तब उस स्थिति में वह अंधकार से जूझती दुनिया के लिए एक प्रकाशस्तंभ बन जाता है। भारत में मूल्यों और मानवता की ज्योति को जीवित रखने की क्षमता है। इसकी आध्यात्मिक परंपराएं, नैतिक जीवन पर जोर और सामूहिक कल्याण में विश्वास उस दुनिया को आशा दे सकते हैं जो धीरे धीरे अपनी दिशा खोती जा रही है। पर यह आशा तभी जीवित रहेगी जब व्यक्ति अपने कर्मों और अपने चरित्र की जिम्मेदारी स्वयं उठाएगा। यह समय है सुविधा पर चरित्र को, आडंबर पर मूल्यों को और स्वार्थी महत्वाकांक्षा पर जिम्मेदारी को चुनने का। यदि भारत अपने नैतिक संकल्प में दृढ़ बना रहता है, तब वह न सिर्फ अपने समाज में संतुलन स्थापित कर सकता है, बल्कि पूरी दुनिया में भी संतुलन बहाल करने में सहायक बन सकता है। ऐसा करते हुए वह मानवता को यह स्मरण कराएगा कि सच्ची शक्ति प्रभुत्व में नहीं, करुणा में है; धन में नहीं, बुद्धि में है; यह सत्ता में नहीं, धर्मभय आचरण और जीवन में है।

# अधिवक्ता संघ चुनाव में हुआ बंपर मतदान, 88 फीसदी डाले वोट

- जिला अधिवक्ता संघ चुनाव में पूरा दिन रहा गहमागहमी का माहौल
- आठ पदों के लिए ताल ठोंक रहे 22 उम्मीदवार, देररात आएंगे परिणाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। गहमागहमी व सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में बंपर वोटिंग हुई। अधिवक्ता संघ चुनाव 88.37 फीसदी अधिवक्ताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। जबकि करीब 9 प्रतिशत अधिवक्ताओं ने मतदान से किनारा कर लिया। 12 बूथों में सुबह 10 बजे से मतदान शुरू हुआ। निर्धारित समय तक कुल 1307 अधिवक्ताओं ने वोट डाला। अधिवक्ता संघ हाल में शाम पांच बजे से मतों की गिनती शुरू हुई।

कलक्ट्रेट व दीवानी न्यायालय परिसर में सोमवार को सुबह से ही अधिवक्ता संघ के चुनाव को लेकर भारी गहमागहमी रही। एल्डर्स कमेटी अध्यक्ष राकेश सिन्हा की देखरेख में मतदान प्रक्रिया शुरू हुई। अध्यक्ष व महासचिव समेत वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कनिष्ठ उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव प्रशासन, कोषाध्यक्ष और सामान्य उपाध्यक्ष के दो पदों के लिए मतदान कराया गया। दोपहर तक मतदान की रफ्तार काफी सुस्त रही। ज्यादातर अधिवक्ता मतदाता माहौल की खोज-खबर लेते रहे। वरिष्ठ अधिवक्ता गठजोड़ के तहत अपने-अपने प्रत्याशी को जिताने की मुहिम में लगे रहे। बस्तों के बजाए ज्यादातर वकील मतदान केंद्र के आसपास ही देखे गए। मतदाता सूची में पंजीकृत 1479 अधिवक्ताओं में 1246 ने वोट डाले। इसके पहले पोस्टल बैलेट से 61 ने वोट डाले थे। पोस्टल बैलेट को मिलाकर कुल 88.37 फीसदी अधिवक्ताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। अधिवक्ता संघ के चुनाव में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रद्युम्न कुमार लालू दुबे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष डा.ममता मिश्रा, भाजपा महिला मोर्चा महामंत्री हेमलता वर्मा, भाजपा नेता पुष्कर द्विवेदी, बार कौंसिल के प्रत्याशी मनोज त्रिपाठी व अशोक पाठक समेत कई सियासी दलों से जुड़े नेताओं ने भी अपने वोट डाले। अध्यक्ष पद के लिए छह उम्मीदवार मैदान में ताल ठोक रहे हैं, वहीं महासचिव पद के लिए दो उम्मीदवारों के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिला। एल्डर्स कमेटी ने मतदान के लिए 12 बूथ बनाए थे। जिनमें दो-दो अधिवक्ताओं को लगाया गया था। शाम चार बजे तक मतदान चला। इसके बाद मतपेटियां सील कर दी गईं। एक घंटे का ब्रेक पूरा होने के बाद निर्धारित समय शाम पांच बजे से अधिवक्ता संघ भवन हाल में मतगणना शुरू हुई। प्रत्याशियों की मौजूदगी में मतपेटिका खुलीं। पहले से निर्धारित दो टेबलों में मतगणना चली। मतगणना शुरू होते ही अधिवक्ता संघ भवन के बाहर समर्थकों की भीड़ जुट गई। समर्थक अंदर की जानकारी लेने को परेशान रहे। पल-पल की जानकारी के लिए प्रयास चलता रहा। कौन प्रत्याशी किस पद पर आगे चल रहा या पीछे, इसको लेकर भी चर्चाओं का दौर चलता रहा।

### हार-जीत के कयास लगाते रहे अधिवक्ता

जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में जहां सबसे महत्वपूर्ण अध्यक्ष व महासचिव पदों के लिए खासा घमासान देखने को मिला, वहीं कोषाध्यक्ष व अन्य पदों पर भी समर्थकों के बीच कयासों का दौर चलता रहा। वैसे अध्यक्ष पद पर विमल सिंह, धनराज सिंह, सुनील द्विवेदी, चंद्रमौलि शुक्ला, रामलखन राजपूत और जयकरन वर्मा अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वहीं महासचिव पद के लिए शिवदयाल प्रजापति और राजेश त्रिपाठी उर्फ सोनू चुनाव मैदान में हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष में शिव विलास सोनी व भूपेंद्र शुक्ला, कनिष्ठ उपाध्यक्ष में निखिल सक्सेना व दिनेश कुमार और संयुक्त सचिव प्रशासन में राजेश गुप्ता व कमलाकांत मिश्रा के बीच सीधी टक्कर है। समाचार लिखे जाने तक तीन चक्रों की मतगणना के बाद अध्यक्ष पद पर विमल सिंह और महामंत्री पद पर राजेश त्रिपाठी सोनू अपने निकटतम प्रतिद्वंदियों से आगे चल रहे हैं। जबकि कनिष्ठ उपाध्यक्ष में निखिल सक्सेना और संयुक्त सचिव प्रशासन में राजेश गुप्ता बढ़त बनाए रहे। हालांकि स्पष्ट परिणाम देर रात तक आने की संभावना जताई जा रही है।

# 10 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से शहर के प्रमुख चौराहों का होगा चौड़ीकरण

- चौराहों पर ब्रेकर, डिवाइडर व अन्य सुरक्षा मानकों को लेकर चल रहा कार्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। शहर के प्रमुख चौराहों का चौड़ीकरण कराया जा रहा है। इसको लेकर स्लिप रोड रोटरी निर्माण एवं सेफ्टी के कार्य कराए जा रहे हैं। लगभग 10 करोड रुपए से अधिक की लागत से योगी सरकार चौराहों को चौड़ा कर लोगों के लिए सुरक्षित बनाने का काम कर रही है। वहीं रोड सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए चौराहों पर ब्रेकर, डिवाइडर व अन्य सुरक्षा मानकों को लेकर कार्य किया जा रहा है।

शहर के महोखर बाईपास चौराहा, महाराजा खेत सिंह खंगार चौराहा, अतर्रा रोड बाईपास चौराहा व बांदा-नरैनी बाईपास चौराहे पर तेजी से कार्य लोक निर्माण विभाग के द्वारा कराया जा रहा है। आने वाले समय में यह चौराहे पूरी तरह से बना दिए जाएंगे। जिसके बाद लोगों का आवागमन सुगम हो जाएगा। बाईपास के महोखर चौराहे पर चौड़ीकरण के लिए स्लिप रोड रोटरी निर्माण व रोड सेफ्टी का कार्य लगभग 2.83 करोड़ रुपये की लागत से से जा रहा है।

83 फीसदी काम पूरा कर लिया गया है। खेत सिंह खंगार चौराहे पर स्लिप रोड रोटरी निर्माण एवं रोड सेफ्टी का कार्य 2.83 करोड़ रुपए की लागत से कराया जा रहा है। लगभग 85 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। वहीं बांदा नरैनी मार्ग व बांदा बाईपास मार्ग के तिराहे के चौड़ीकरण के लिए 1.46 करोड़ की लागत से कराया जा रहा है। अतर्रा रोड व बाईपास चौराहा चौड़ीकरण को स्लिप रोड रोटरी निर्माण व रोड सेफ्टी कार्य 2.98 करोड़ रुपए की लागत से कराया जा रहा है। अगले माह तक विकास कार्य पूरा करने का लक्ष्य है।

# बच्चों से बाल श्रम न कराने का लेना होगा प्रण : एसपी

- डीएम व एसपी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
- व्यापार संगठनों, ईंट भट्ठा एसोसिएशन, विभिन्न रेस्टोरेंट मालिकों का सहयोग लेना आवश्यक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर देहात। जिले को बालश्रम मुक्त बनाने को लेकर मंगलवार को विकास भवन के सभागार में कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें लोगों को बालश्रम रोकने के लिए जागरूक किया गया। डीएम कपिल सिंह व एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने सयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बाद में डीएम व एसपी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एसपी ने कहा कि श्रावस्ती को बालश्रम मुक्त बनाने के लिए व्यापार संगठनों, ईंट भट्ठा एसोसिएशन, विभिन्न रेस्टोरेंट मालिकों, व्यापारियों का सहयोग बहुत जरूरी है। इन सभी उपक्रमों को न सिर्फ बाल श्रम मुक्त बनाने का प्रण लेना होगा बल्कि अपने एसोसिएशन के तहत आने वाले सभी प्रतिष्ठानों में यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा काम न करे। बाल श्रम और मानव तस्करी अपराध है। बावजूद इसके बगैर सामाजिक जागृति इसे खत्म करना संभव नही है।

जिलाधिकारी कपिल सिंह ने कहा कि बाल एवं किशोर प्रतिषेध व विनियमन अधिनियम के तहत जिन अधिकारियों को बाल श्रम रोकने की जिम्मेदारी मिली है। उसे पूरे दायित्व के साथ निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं की पहुंच सभी पात्र लोगों तक होना चाहिए, जो बच्चे शिक्षा से दूर हैं, शिक्षा विभाग उनका सर्वे कराकर उन बच्चों को अधिक से अधिक नामांकन कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य करें। उनको अपने क्षेत्रों में बाल श्रम मुक्ति के लिए अभियान चलाना होगा। सीडीओ विधान जयसवाल ने कहा कि तय समय सीमा के अंदर बाल श्रम मुक्त बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए नियमित निरीक्षण, जागरूकता अभियान, बचाव एवं पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में सहायक श्रम आयुक्त राम आशीष, जिला श्रम प्रवर्तन अधिकारी सहित सभी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

## सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में जिले को प्रदेश में मिला दूसरा स्थान

बांदा। जिलाधिकारी जे.रीभा के नेतृत्व में सीएम डैशवोर्ड की रैंकिंग में जिले को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। जनपद में संचालित 79 योजनाओं की प्रगति के आधार पर जनपद की रैंकिंग शासन पर निर्धारित की गई। इसके तहत जिले में चल रही कुल 73 परियोजनाओं में 'ए' ग्रेड हासिल किया। सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से प्रत्येक माह प्रदेश के सभी जिलों की रैंकिंग जारी की जाती है। सभी योजनाओं की प्रति विभागवार दर्ज की जाती है। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रत्येक माह जनपद में संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति के आधार पर सीएम डैशबोर्ड के गाध्यम से रैंकिंग प्रदान की जाती है। शासन स्तर पर मंगलवार को जारी जनवरी माह की रैंकिंग के अनुसार जनपद को प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। सीएम डैशबोर्ड के तहत जिले की कुल 79 योजनाओं की प्रगति के आधार पर जनपद की रैंकिंग निर्धारित की गई।

# डीएम ने कृमि मुक्ति दिवस अभियान का किया शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जनपद में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान का शुभारंभ आज जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने प्राथमिक विद्यालय बबुरा में बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर आमजन को पर्यावरण संरक्षण एवं पौधारोपण के प्रति जागरूक भी किया।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान का मुख्य उद्देश्य 01 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों एवं किशोरों को कृमि संक्रमण से मुक्त करना है, जिससे उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि कृमि संक्रमण बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए इस अभियान में सभी की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने जानकारी दी कि जनपद के छह विकास खण्ड–कड़ा, कौशाम्बी, मंझनपुर, मूरतगंज, नेवादा एवं सिराथू में विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से 01 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल टेबलेट खिलायी जायेगी। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से दवा का सेवन कराएं। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान को पूरी गंभीरता के साथ संचालित करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाए तथा दवा वितरण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. कमलेंद्र कुमार कुशवाहा, प्रभारी चिकित्साधिकारी मंझनपुर डॉ. नीरज सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

### सेफर इंटरनेट दिवस पर जन जागरूकता बाइक रैली को जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कौशाम्बी, इंटरनेट दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने कलेक्ट्रेट परिसर से जन-जागरूकता बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इंटरनेट का सुरक्षित, जिम्मेदार एवं सकारात्मक उपयोग आज के डिजिटल युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें और किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए जागरूक रहें। कार्यक्रम के दौरान जिला सूचना विज्ञान अधिकारी रविन्द्र जायसवाल ने बताया कि इस बाइक रैली का मुख्य उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों को साइबर अपराध, ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सतर्कता के प्रति जागरूक करना है।

# भाजपा सरकार सनातनियों का कर रही अपमान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। देश की आजादी के लिए ब्रिटिश शासन की नींव हिला देने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, नेशनल इंटर कॉलेज भरवारी के संस्थापक एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय मंगला प्रसाद तिवारी उर्फ जर्मन मास्टर की विद्यालय परिसर में स्थापित प्रतिमा का अनावरण कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने किया।

प्रतिमा अनावरण के पश्चात आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अजय राय ने कहा कि ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी की प्रतिमा का अनावरण करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि स्व. मंगला प्रसाद तिवारी को 'जर्मन मास्टर' के नाम से जाना जाता था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उनके व्यक्तित्व में कुछ विशेष गुण रहे होंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि स्व. मंगला प्रसाद तिवारी और पूर्व विधायक विजय प्रकाश ने अपने राजनीतिक जीवन में कभी पद का दुरुपयोग नहीं किया और न ही अपने सिद्धांतों से समझौता किया। वह स्वयं पांच विधायक रहे लेकिन कभी भी गंदी राजनीति नही की तथा प्रधानमंत्री मोदी के सामने चुनाव लड़कर उनका साढ़े तीन लाख वोट कम कर दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार सनातनियों का अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गेरुआ वस्त्र पहनकर सनातन की बात करते हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी यह कहती है कि यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पद पर नहीं रहेंगे तो सनातन समाप्त हो जायेगा। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जो लोग शंकराचार्य का सम्मान नहीं करते, वे सनातन की रक्षा नहीं कर सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि संगम तट पर शंकराचार्य को स्नान करने से रोक गया उनके बटुकों के साथ मारपीट की गयी और उनकी चोटियां खींची गयी। उन्होंने मुक्तेश्वरानंद के प्रतापगढ़ से काशी आने तथा सतुआ बाबा के मुख्यमंत्री के संपर्क में रहने का भी उल्लेख किया।

उन्होंने संगम क्षेत्र की ठेकेदारी गुजरात के लोगों को दिये जाने का आरोप भी लगाया। साथ ही कहा कि शिक्षा विभाग में भी इसी प्रकार की स्थिति बनने जा रही है जहां केंद्र सरकार द्वारा अब शिक्षकों से स्थानीय स्तर पर कुत्तों की गिनती करवायेगी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रबंधक रवि नारायण तिवारी ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पूर्व विधायक विजय प्रकाश, हुबलाल इंटर कॉलेज के प्रबंधक वीरेंद्र कुमार उर्फ को-को केसरवानी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव पांडेय, पूर्व अध्यक्ष तलत अजीम, अशोक तिवारी, कस्तूरबा गांधी कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य नीलम, दीपक पांडेय, आशीष मिश्रा, मनोज पटेल, अशफाक आलम सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

# डीएम ने राजकीय इंटर कॉलेज से राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस व एमडीए, आईडीए कार्यक्रम का किया शुभारंभ

- चार ब्लॉकों में 7.31 लाख आबादी को फाइलेरिया से मुक्त करने का लक्ष्य, जिलाधिकारी व सीडीओ ने स्वयं ली दवा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने मंगलवार को राजकीय इंटर कॉलेज उन्नाव से राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस एवं एमडीए/आईडीए कार्यक्रम 2026 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कृतिराज भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के तहत जनपद के चार ब्लॉक–बीघापुर, गंज मुरादाबाद, पूर्वा और सुमेरपुर–में अभियान का संचालन किया जाएगा। शुभारंभ अवसर पर जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी ने स्वयं फाइलेरिया की दवा की पूरी डोज का सेवन किया। साथ ही जिलाधिकारी ने विद्यालय के बच्चों को अपने हाथों से कृमि मुक्ति की औषधि एल्बेंडाजोल का सेवन कराया। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान के अंतर्गत आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता चारों ब्लॉकों की 7.31 लाख लक्षित आबादी को घर-घर जाकर फाइलेरिया की दवा खिलाएंगी। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है, जिसे समाप्त करने के लिए सभी नागरिकों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जाने वाली दवा का सेवन अवश्य करना चाहिए।

## संक्षिप्त समाचार

### अधर्म का नाश करने को अवतरित होते हैं भगवान : अभिषेक

बांदा। संगीतमयी श्रीराम कथा के चौथे दिन कथावाचक ने भगवान श्रीराम के विभिन्न प्रसंगों को सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इस दौरान जय श्रीराम के जयघोष से पूरा आयोडन स्थल गुंजायमान हो उठा। तिंदवारी क्षेत्र के मूंगुस गांव स्थित शीतलाधाम मंदिर के वार्षिकोत्सव पर आयोजित संगीतमयी श्रीराम कथा के चौथे दिन कथा वाचक आचार्य अभिषेक शुक्ल ने कहा कि भगवान श्रीराम का चरित्र मानवीय सद्गुणों का आदर्श है। उनके चरित्र को देखकर सभी लोग अपने आचरण को पवित्र बना सकते हैं। त्याग, स्वधर्मपालन, भ्रातृभाव, आत्मीयता, दया, ममता, करुणा शरणागत संरक्षा, परहित, क्षमा, सुजनता, सेवा, भक्ति, ज्ञान एवं सत्कर्म आदि का अप्रतिम आदर्श भगवान ने अपने चरित्र से स्थापित किया है। बताया जब-जब धरती पर धर्म की हानि होती है और अहंकारी, व्यभिचारी, दुराचारी असुरों की अभिवृद्धि होती है, तब-तब भगवान ने मानव शरीर धारण करके असुरों का विनाश किया। उन्होंने बच्चों का नाम भगवान के नाम पर ही रखना चाहिए। ताकि बार-बार नाम पुकारने से नारायण की कृपा प्राप्त हो सके। कथावाचक ने भगवान श्रीकृष्ण जन्म की भावपूर्ण कथा का वर्णन किया। इस अवसर पर जगदीश त्रिवेदी रामायणी, जनार्दन अवस्थी, उमाशंकर त्रिवेदी, प्रमोद अवस्थी, सोनू त्रिवेदी, कन्हैया अवस्थी आदि उपस्थित रहे।

### प्रदेश स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी में कृषि विश्वविद्यालय को मिला द्वितीय पुरस्कार

बांदा। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित हुई चार दिवसीय प्रादेश स्तरीय फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। राज्यपाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं नवोन्मेष के लिए विश्वविद्यालय को द्वितीय पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। लखनऊ में आयोजित प्रदेश स्तरीय प्रदर्शनी में भागीदारी करते हुए कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय ने स्टॉल लगाकर उद्यानिक नवाचारों, मॉडलों एवं प्रायोगिक शिक्षण के उत्पादों को सजीव एवं मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के उद्यान महाविद्यालय के पुष्प विभाग द्वारा बनाए गए शंख एवं चक्र पुष्प प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र रही। राज्यपाल ने स्टॉल का भ्रमण करते हुए स्नातक, परास्नातक एवं शोध छात्रों द्वारा बनाए गए मॉडलों, नवाचारों और उद्यमिता की सराहना की। अंतिम दिन राज्यपाल ने कृषि विश्वविद्यालय को सक्रिय प्रतिभागिता, उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं नवोन्मेष के लिए द्वितीय पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

# गंगा कटान रोकने को लेकर गंगा तटवर्ती किसानों की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ। गंगा नदी के तटवर्ती गांव खैरुद्दीनपुर के मजरा ठाकुरिया पुरवा में मंगलवार को गंगा कटरी बचाओ अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में केंद्र व प्रदेश सरकार से गंगा की तेज धारा से हो रहे कटान को रोकने के लिए व्यापक और स्थायी इंतजाम किए जाने की पुरजोर मांग की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रमुख समाजसेवी एवं हाईकोर्ट के अधिवक्ता संजीव त्रिवेदी ने कहा कि सरकार द्वारा गंगा कटान रोकने के लिए पूर्व में वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी, लेकिन बंधा गंगा नदी की धारा में समा जाने से आम जनता की गाढ़ी कमाई के करोड़ों रुपये पानी में बह गए। यह गंभीर लापरवाही का परिणाम है।

नन्हेलाल निषाद ने कहा कि जब तक गंगा नदी के समानांतर कम से कम फोरलेन की ऊंची सड़क का निर्माण नहीं कराया जाएगा, तब तक गंगा किनारे स्थित उपजाऊ भूमि को कटान से बचाना संभव नहीं है।

## महाशिवरात्रि, रमजान व होली को लेकर थाना अजगैन में पीस कमेटी की बैठक

उन्नाव। आगामी महाशिवरात्रि, रमजान एवं होली पर्व के दृष्टिगत आज 10 फरवरी 2026 को थाना अजगैन में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्राधिकारी हसनगंज अरविन्द कुमार चौरसिया एवं प्रभारी निरीक्षक अजगैन उपस्थित रहे। बैठक में थाना क्षेत्र के मंदिरों व मस्जिदों से जुड़े धार्मिक गुरुओं तथा सम्भ्रांत व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया। क्षेत्राधिकारी हसनगंज ने उच्चाधिकारियों द्वारा दिए गए आदेश-निर्देशों से सभी को अवगत कराते हुए कहा कि सभी पर्व शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में मनाना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आपसी समन्वय बनाए रखने, पुलिस प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह, विवाद या असामाजिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

# परियर में सात दिवसीय रासलीला महोत्सव जारी

- बाबा बलखंडेश्वर महादेव मंदिर परिसर में देवकी विवाह व नारद मोह लीला का मंचन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

परियर। स्थानीय बाबा बलखंडेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित सात दिवसीय रासलीला, रामलीला महोत्सव के अंतर्गत शिवलाल श्री रास बिहारी रासलीला मंडल द्वारा रात्रि में देवकी विवाह लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। कार्यक्रम का निर्देशन अनुभव शुक्ला ने किया।

आयोजन के तहत सुबह की पाली में नारद मोह लीला का मंचन हुआ। लीला में दर्शाया गया कि नारद भगवान के भजन में इतने लीन हो जाते हैं कि इंद्र का सिंहासन डोलने लगता है। सिंहासन जाने के भय से इंद्र, नारद के तप को भंग करने के लिए कामदेव और अप्सराओं को भेजते हैं, लेकिन नारद का ध्यान नहीं टूटता। अंततः कामदेव नतमस्तक होकर क्षमा याचना करते हैं, जिससे नारद में अभिमान उत्पन्न हो जाता है।

नारद यह बात ब्रह्मा, विष्णु और महेश को बताते हैं। नारद के अभिमान को समाप्त करने के लिए भगवान विष्णु अपनी माया से एक सुंदर नगर और राजकुमारी विश्वमोहिनी की रचना करते हैं। वहां पहुंचकर नारद, राजा के आग्रह पर विश्वमोहिनी की हस्तरेखा देखते हैं और उससे विवाह की इच्छा व्यक्त करते हैं। वे भगवान विष्णु से हरि रूप लेकर आते हैं, लेकिन उन्हें बंदर का रूप दे दिया जाता है। इसी दौरान भगवान विष्णु प्रकट होकर विश्वमोहिनी से विवाह करते हैं।

लीला में आगे नारद द्वारा दिए गए श्राप और भगवान विष्णु द्वारा उसे स्वीकार कर यह बताने का प्रसंग दिखाया गया कि यह सब उनकी माया थी और पृथ्वीलोक पर बंदर ही उनकी सहायता करेंगे।

बाबा बलखंडेश्वर महादेव विकास सेवा समिति के पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से भक्ति मय आयोजनों में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करने की अपील की।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें सिंगल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

| | |
|---|---|
| निविदा सं. | 106-टैली/टेंडर/21/2025-26 |
| कार्य का नाम | लखनऊ मंडल में पीआरएस/यूटीएस नेटवर्किंग उपकरणों की विश्वसनीयता में सुधार और उन्नयन का कार्य। |
| अनुमानित लागत | रु. 5,13,61,674.91 |
| निविदा प्रपत्र की कीमत | शून्य |
| धरोहर राशि | रु. 4,06,800.00 |
| कार्य पूरा करने की अवधि | 270 दिन |
| निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय | 02.03.2026, 15:30 बजे। |
| वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है। | www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ |

• ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

निविदा सू. सं.: 106-टैली/टेंडर/21/2025-26 दिनांक: 09.02.2026 452/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

# ससुराल में पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

- परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। थाना हैदराबाद की अज़ान पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम मढिया सड़क में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। महिला का शव घर के कमरे में पाया गया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतका के पति ने हत्या की आशंका जताई है। जानकारी के अनुसार मढिया सड़क गांव निवासी सीमा देवी (30) का शव सोमवार को दोपहर घर के कमरे में मिला। घटना के समय घर में कोई बड़ा सदस्य मौजूद नहीं था। मृतका का पति राजकुमार रविवार को अपनी ससुराल, थाना भीरा क्षेत्र के गांव नौगवां, अपने सरौत के तिलक समारोह में शामिल होने गया हुआ था।

बताया गया कि सुबह बच्चे विद्यालय चले गए थे। दोपहर करीब एक बजे जब वे घर लौटे तो उन्होंने अपनी मां को कमरे में पाया। घबराए बच्चों ने आसपास के लोगों को जानकारी दी, जिसके बाद गांव वालों ने मृतका के पति को फोन कर सूचना दी। सूचना मिलते ही राजकुमार अपने साले सुरेन्द्र कुमार के साथ घर पहुंचा।

राजकुमार ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी की मौत सामान्य नहीं है और हत्या की गई है। वहीं, मृतका के भाई सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि सीमा देवी की शादी वर्ष 2011 में राजकुमार के साथ हुई थी। उनके दो पुत्र हैं—आर्यन (12) और आदर्श (6) सूचना पर अज़ान चौकी प्रभारी अशोक सिंह एवं थाना प्रभारी सुनील मलिक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को अपने कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। इस संबंध में अज़ान चौकी प्रभारी अशोक सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल किसी पक्ष की ओर से लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है और पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

## जंगल में फंदे से लटका मिला अज्ञात युवक का शव, क्षेत्र में सनसनी

अज़ान खीरी। गोला कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कोंधवा रेलवे क्रॉसिंग के समीप जंगल में एक अज्ञात युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार कोंधवा रेलवे क्रॉसिंग से लगभग 100 मीटर दूर जंगल में रेलवे क्रॉसिंग पर तैनात कर्मचारी की नजर शव पर पड़ी, जिसके बाद उसने तुरंत गोला पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर अपने कब्जे में लिया। पुलिस के प्रारंभिक अनुमान के अनुसार शव कई दिनों पुराना प्रतीत हो रहा है। मृतक की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष के बीच बताई जा रही है। फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। साथ ही मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी हो सकेगी। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

# दिव्यांग यूनियन ने एसडीएम को सौंपा 'वादा खिलाफी' ज्ञापन

- मांगों पर कार्रवाई न होने से आक्रोश, एक सप्ताह का अल्टीमेटम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भारतीय दिव्यांग यूनियन ने बीते वर्ष जून-जुलाई 2025 में इंदिरा पार्क में हुए धरने के दौरान दिए गए आश्वासनों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने पर गहरा रोष व्यक्त किया है। इसी क्रम में मंगलवार, 10 फरवरी 2026 को यूनियन ने उपजिलाधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी को 'वादा खिलाफी' का ज्ञापन सौंपते हुए अपनी मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग की। यूनियन का कहना है कि पूर्व में दिए गए आश्वासन के बावजूद छह माह से अधिक समय बीत जाने पर भी उनकी मूलभूत मांगों पर अमल नहीं हुआ है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से दिव्यांगजनों के लिए अंत्योदय राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ, भूमिहीन दिव्यांगों को भूमि पट्टा, सरकारी अस्पतालों में अलग काउंटर व चिकित्सक की व्यवस्था, सभी दिव्यांगों को मुद्रा योजना का लाभ तथा रोडवेज बसों में दिव्यांग यात्रियों के प्रति लापरवाही पर कार्रवाई की मांग शामिल है।

यूनियन ने याद दिलाया कि 6 जुलाई 2025 को धरने के दौरान तत्कालीन उपजिलाधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी, क्षेत्रीय विधायक अमन गिरि, पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला, प्रभारी निरीक्षक अम्बर सिंह एवं क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार तिवारी सहित कई अधिकारी व जनप्रतिनिधि धरना स्थल पर पहुंचे थे और एक माह के भीतर मांगें पूरी करने का आश्वासन दिया गया था। बावजूद इसके अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं होने से दिव्यांगजनों में निराशा और आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन में यूनियन ने स्पष्ट किया कि यदि एक सप्ताह के भीतर मांगों पर कार्रवाई शुरू नहीं हुई तो वे आगे आंदोलनात्मक कदम उठाने को मजबूर होंगे। प्रशासन से उन्होंने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है। इस अवसर पर मिथिलेश कुमार, अमित कुमार, विजयपाल, राजेश मौर्य, तिलकराम वर्मा, बबलू, नारायण सहित कई दिव्यांग भाई-बहन उपस्थित रहे। यूनियन ने प्रशासन से अपेक्षा जताई है कि लंबित मांगों का समयबद्ध समाधान कर दिव्यांगजनों को राहत दी जाए।

# गोला रेलवे स्टेशन पर गोवंशों की मौतों को लेकर डीआरएम को सौंपा गया ज्ञापन

- ट्रेन आगमन से पूर्व प्लेटफार्म व ट्रैक जांच की उठी मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की चपेट में आकर गोवंशों की लगातार हो रही मौतों को लेकर सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कड़ा रुख अपनाया है। इस संबंध में रेल प्रबंधक (डीआरएम) लखनऊ को संबोधित एक ज्ञापन स्टेशन अधीक्षक, गोला के माध्यम से सौंपा गया।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 9 फरवरी 2026 को गाड़ी संख्या 15009 इज्जतनगर एक्सप्रेस (गोरखपुर-इज्जतनगर) के सुबह लगभग 10:15 बजे स्टेशन पर आगमन के दौरान प्लेटफार्म एवं ट्रैक की समुचित जांच न होने के कारण दो गोवंशों की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि एक गोवंश गंभीर रूप से घायल हो गया। भारतीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष अनूप गुप्ता के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि स्टेशन मास्टर व रेलवे प्रशासन की लापरवाही के चलते इस तरह की घटनाएं आए दिन हो रही हैं। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि प्रत्येक ट्रेन के आगमन से पूर्व अनिवार्य रूप से प्लेटफार्म एवं ट्रैक की जांच कराई जाए तथा इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। साथ ही स्थानीय लोगों ने रेलवे प्रशासन से स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने और गोवंशों की सुरक्षा के लिए ठोस एवं स्थायी कदम उठाने की अपील की। ज्ञापन सौंपते समय जिला अध्यक्ष अनूप गुप्ता, संदीप गुप्ता, हर्षित, रचित, नितिश, विपिन कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर विद्यार्थियों को खिलाई एल्बेंडाजाल टेबलेट

बांदा। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर विद्यावती निगम मेमोरियल पब्लिक स्कूल और राजकीय बालिका इंटर कालेज में आयोजित जागरुकता कार्यक्रम के दौरान कृमि संक्रमण से होने वाली समस्याओं की जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों को पेट के कीड़ों से बचाव के लिए एल्बेंडाजोल 400 एमजी की टेबलेट खिलाई गई।

नरैनी रोड स्थित विद्यावती निगम मेमोरियल पब्लिक स्कूल में मंगलवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। अभियान का शुभारंभ मुख्य चिकित्साधिकारी डा.विजेंद्र सिंह ने किया। उनकी मौजूदगी में स्कूल के बच्चों को कृमिनाशक एल्बेंडाजाल की टेबलेट खिलाई गई। उन्होंने बच्चों को स्वस्थ खानपान अपनाने की सलाह दी। उन्होंने भोजन से पूर्व तथा शौच के उपरांत हाथ धोने, फास्ट फूड व जंक फूड से बचने, हरी सब्जियां, फल व पोषणयुक्त भोजन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी।

# बांकेगंज में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का भव्य शुभारंभ

- सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने स्वयं दवा खिलाकर किया आगाज
- 2.62 लाख से अधिक लोगों को दवा पिलाने का लक्ष्य, 277 टीमें मैदान में

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला गोकर्णनाथ क्षेत्र के बांकेगंज ब्लॉक में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का सोमवार को भव्य शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरुआत मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. संतोष गुप्ता ने स्वयं लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाकर की। इस अवसर पर उन्होंने पैदल भ्रमण कर घर-घर जाकर लोगों से संवाद किया और दवा सेवन के लिए प्रेरित करते हुए फाइलेरिया के प्रति जागरूकता फैलाई। सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने बताया कि बांकेगंज ब्लॉक में यह अभियान 10 फरवरी से 28 फरवरी तक संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत कुल 2 लाख 62 हजार 609 पात्र व्यक्तियों को फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराया जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए 277 टीमें गठित की गई हैं, जबकि निगरानी एवं मार्गदर्शन के लिए 55 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि दवा वितरण के दौरान किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए ब्लॉक एवं जनपद स्तर पर कुल 5 रैपिड रिस्पांस टीमें गठित की गई हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

अभियान की निरंतर निगरानी ब्लॉक और जनपद स्तर से की जाएगी। डॉ. गुप्ता ने फाइलेरिया रोग की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मच्छरों के काटने से फैलने वाला एक गंभीर लेकिन पूरी तरह रोकथाम योग्य रोग है, जिसे आमतौर पर 'हाथीपांव' कहा जाता है। यह रोग शरीर में सूजन, असहनीय दर्द और आगे चलकर स्थायी विकलांगता का कारण बन सकता है। उन्होंने बताया कि नियमित रूप से फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन करने से शरीर में मौजूद परजीवी नष्ट हो जाते हैं और इस रोग की रोकथाम संभव है।

सीएमओ ने स्पष्ट किया कि फाइलेरिया की दवा पूरी तरह सुरक्षित है और इसके कोई गंभीर दुष्प्रभाव नहीं होते, इसलिए सभी पात्र नागरिकों को बिना किसी भय या संकोच के दवा का सेवन अवश्य करना चाहिए। पैदल भ्रमण के दौरान उन्होंने कई परिवारों से सीधे संवाद कर उन्हें फाइलेरिया से बचाव के उपायों की जानकारी भी दी। इस अवसर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एसीएमओ डॉ. एस.पी. मिश्रा, जिला मलेरिया अधिकारी हरिशंकर, सीएचसी बांकेगंज के अधीक्षक डॉ. अमित सिंह सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे और अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

# संक्षिप्त समाचार

## गोला गोकर्णनाथ में आज निकलेगी विशाल निशान शोभा यात्रा, श्याम भक्तों में उत्साह

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर में आज श्री श्याम दीवाने सेवा समिति के तत्वावधान में श्री खाटू श्याम बाबा की विशाल निशान शोभा यात्रा श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में निकाली जाएगी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह भव्य आयोजन श्याम भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। निशान शोभा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई कंजा बाबा देवस्थान स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पर जाकर संपन्न होगी। यात्रा में श्याम भक्त अपने-अपने निशान लेकर बाबा के जयकारों के साथ आस्था व्यक्त करेंगे, जिससे पूरा नगर श्याममय हो उठेगा। यात्रा के समापन के पश्चात श्री श्याम दीवाने सेवा समिति द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। आयोजन को लेकर गोला नगर में उत्सव जैसा माहौल है और भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

## ब्लॉक संसाधन केंद्र कंजा में विद्यालय प्रबंध समिति की ब्लॉक स्तरीय एक दिवसीय ट्रेनिंग आयोजित

गोला गोकर्णनाथ खीरी। ब्लॉक संसाधन केंद्र कंजा, ब्लॉक कुंभी में विद्यालय प्रबंध समिति (एसएमसी) की ब्लॉक स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ खंड शिक्षा अधिकारी कुंभी श्री श्रीराम के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय अहमदनगर की प्रधानाध्यापिका संयोगिता सिंह के मार्गदर्शन में पूनम रानी शुक्ला, आराधना शुक्ला द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। प्रशिक्षण सत्र में मास्टर ट्रेनर सुरेन्द्र कन्नौजिया एवं निमित वर्मा ने विद्यालय प्रबंध समिति के गठन, उसके अधिकारों एवं कर्तव्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एसएमसी विद्यालय के सुचारु संचालन, गुणवत्ता सुधार तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। खंड शिक्षा अधिकारी श्री श्रीराम ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय प्रबंध समिति का विद्यालय विकास में महती योगदान रहता है। शैक्षिक परिवेश को श्रेष्ठतम स्तर तक पहुंचाने में प्रबंध समिति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

## जिला अधिकारी ने की जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में पोषण से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं सभी सीडीपीओ से निजी भवनों अथवा किराये पर संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि ऐसे सभी केन्द्रों को शीघ्र सरकारी भवनों में शिफ्ट कराया जाए। पोषण ट्रैकर पर बच्चों की उपस्थिति की समीक्षा के दौरान उन्होंने केन्द्रवार फीडिंग की नियमित जांच कराने के निर्देश दिये। लाभार्थियों की फ़ेस कैप्चरिंग की समीक्षा में विकास खण्ड सरसवां की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए सीडीपीओ सरसवां एवं सरसवां क्षेत्र की सभी मुख्य सेविकाओं का वेतन रोकने तथा उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सभी सीडीपीओ को शत-प्रतिशत वीएचएसएनडी सत्रों का आयोजन सुनिश्चित कराने को कहा। साथ ही सैम श्रेणी के बच्चों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि अभिभावकों को जागरूक कर बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराया जाय। उन्होंने कहा कि जो बच्चे नियमित रूप से आंगनबाड़ी केन्द्र नहीं आ रहे हैं, उन्हें चिन्हित कर केन्द्र तक लाया जाए तथा शत-प्रतिशत होम विजिट सुनिश्चित की जाय। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने एवं लाभार्थियों को समय से पोषाहार वितरण के निर्देश भी दिये गये।

# आईजीआरएस निस्तारण में गोला तहसील को मिला प्रथम स्थान

- तहसीलदार व स्टाफ ने एसडीएम को पुष्पगुच्छ भेंट कर किया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। आईजीआरएस (इंटीग्रेटेड ग्रीवेंस रिड्रेसल सिस्टम) के प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोला तहसील ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर गोला तहसील के तहसीलदार भीमचंद एवं नायब तहसीलदार भानु प्रताप सहित समस्त तहसील स्टाफ ने उप जिलाधिकारी (एसडीएम) प्रतीक्षा त्रिपाठी को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और बधाई दी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी ने कहा कि यह सफलता पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। तहसील स्तर पर प्राप्त आईजीआरएस से संबंधित शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया गया, जिससे यह उपलब्धि संभव हो सकी। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी के नेतृत्व में 'सिर अभियान' का कार्य समय से पहले सफलतापूर्वक पूर्ण कराया गया था, जिसके लिए जिलाधिकारी लखीमपुर खीरी दुर्गा शक्ति नागपाल द्वारा उन्हें एवं उनकी टीम को लखीमपुर बुलाकर सम्मानित किया गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब से प्रतीक्षा त्रिपाठी ने गोला तहसील का कार्यभार संभाला है, तब से तहसील की कार्यप्रणाली में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। वे प्रतिदिन समय से पहले तहसील पहुंचकर कार्यों की स्वयं निगरानी करती हैं और अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को फरियादियों को त्वरित व न्यायसंगत समाधान प्रदान करने के निर्देश देती रहती हैं। इसी कुशल नेतृत्व और अनुशासित कार्यशैली का परिणाम है कि गोला तहसील ने आईजीआरएस रैंकिंग में प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है।

## सीएचसी गोला में विशाल मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अज़ान खीरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोला में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को एक विशाल मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 100 से अधिक मानसिक रोगियों की जांच कर उन्हें निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श व उपचार प्रदान किया गया। विशेषज्ञों ने मानसिक रोगों से बचाव के लिए तनावमुक्त जीवनशैली और प्रतिदिन 6 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद को अत्यंत आवश्यक बताया। शिविर का शुभारंभ गोला विधायक अमन अरविंद गिरी एवं सीएचसी गोला के अधीक्षक डॉ. गणेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय पर पहचान और उपचार से मानसिक बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है। शिविर में प्रमुख मनोचिकित्सक डॉ. अखिलेश शुक्ला ने 100 से अधिक विभिन्न प्रकार के मानसिक रोगियों की जांच कर उपचार किया।

# अभद्र टिप्पणी पर भड़का पटेल समाज, लखीमपुर में चौराहा जाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। गोला नगर में डॉ. पीयूष शुक्ला के एक वायरल वीडियो में ओबीसी समाज के खिलाफ की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर पटेल समाज में आक्रोश फैल गया। इसी आक्रोश के चलते मंगलवार को पटेल समाज ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन सीओ कार्यालय से शुरू होकर सदर चौराहे तक पहुंचा, जहां समाज के लोगों ने चौराहा जाम कर नारेबाजी की, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सदर चौराहा जाम होने की सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी ने तत्काल संज्ञान लिया और प्रदर्शनकारी पटेल समाज के प्रतिनिधियों को सीओ कार्यालय बुलाया। वहां एडिशनल एसपी ने समाज के लोगों से बातचीत की और उनकी तहरीर पर तत्काल रिपोर्ट दर्ज कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद पटेल समाज ने अपना आंदोलन स्थगित कर दिया। घटनाक्रम के अनुसार मंगलवार को पटेल संस्थान पर पूर्व दर्ज़ा राज्य मंत्री सुर्जन लाल वर्मा, अध्यक्ष राजीव पटेल, मंत्री अंकुर वर्मा, अभिजय पटेल सहित दर्जनों लोग एकत्र हुए। सभी ने एकजुट होकर पैदल मार्च निकाला और सीओ कार्यालय पहुंचे। विरोध प्रदर्शन में शिवनंदन वर्मा, सभासद नानक चंद वर्मा, हरिओम वर्मा, सतीश वर्मा, जितेंद्र वर्मा, श्रीपाल, अशोक कुमार, रामसेवक फौजी, एडवोकेट अभय वर्मा, अजय वर्मा, गन्ना अध्यक्ष सुरेश वर्मा, शिवम पटेल, रामकुमार वर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

# आईआरसीटीसी ने भारत के पूर्वी क्षेत्र के लिए नया रेल-आधारित पर्यटन सर्किट डिवाइन ईस्ट टेम्पल टूर किया लॉन्च

- वाराणसी, कोलकाता, गंगासागर, पुरी, भुवनेश्वर, कोणार्क, चिलिका और बैद्यनाथ धाम (ज्योतिर्लिंग) को शामिल करते हुए 10 दिनों की यात्रा योजना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

दिल्ली। भारत गौरव डीलक्स पर्यटक रेलगाड़ी 09 मार्च, 2026 को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करेगी।

प्रमुख विरासत स्थलों, मंदिरों और समुद्र तटों के साथ गंगासागर में पवित्र स्नान इस यात्रा के विशेष आकर्षण हैं। यह रेलगाड़ी वातानुकूलित प्रथम, द्वितीय और तृतीय श्रेणी की तीन श्रेणियों में 150 पर्यटकों को समायोजित कर सकती है तथा इसमें 02 रेस्टोरेंट कार भी हैं, जो इस ट्रेन की एक विशेष सुविधा है। भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी), जो भारत सरकार के रेल मंत्रालय के तहत एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है, ने भारत गौरव डीलक्स पर्यटक रेलगाड़ी के माध्यम से दिव्य पूर्व मंदिर यात्रा नामक एक नया पर्यटन परिपथ शुरू किया है। यह 10 दिनों की रेल आधारित यात्रा श्रद्धालुओं और यात्रियों को उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के कई प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों के साथ-साथ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध विरासत स्थलों के दर्शन का एक अनोखा अवसर देती है।

यात्रा की शुरुआत दिल्ली सफदरजंग से होगी और इसमें वाराणसी, कोलकाता, गंगासागर, पुरी, भुवनेश्वर, कोणार्क, चिलिका और बैद्यनाथ धाम की यात्रा कराई जाएगी, जिसके बाद रेलगाड़ी दिल्ली वापस लौटेगी। इस यात्रा के दौरान वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर (ज्योतिर्लिंग) के दर्शन और गंगा आरती कराई जाएगी। इसके बाद भारत की सांस्कृतिक राजधानी कोलकाता का भ्रमण होगा, जिसमें विक्टोरिया मेमोरियल, शहर के अन्य प्रमुख दर्शनीय स्थल तथा कालीघाट (शक्ति पीठ) और दक्षिणेश्वर काली मंदिर जैसे प्रसिद्ध मंदिर शामिल हैं। गंगासागर के पवित्र तटों की एक दिवसीय यात्रा, जिसमें सागर संगम में पवित्र स्नान और कपिल मुनि मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे, इस यात्रा का मुख्य आकर्षण है। इसके बाद यात्रा पुरी जाएगी, जहाँ भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। साथ ही ओडिशा परिपथ के अंतर्गत भुवनेश्वर, धौली शांति स्तूप, उदयगिरि और खंडगिरि की गुफाएँ, कोणार्क सूर्य मंदिर और अन्य प्रमुख स्थल दिखाए जाएंगे। यात्रा का अंतिम आध्यात्मिक पड़ाव बैद्यनाथ धाम (देवघर) होगा, जो भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इसके पश्चात 18 मार्च 2026 को रेलगाड़ी दिल्ली सफदरजंग वापस पहुँचेगी और इस यादगार तथा आध्यात्मिक रूप से समृद्ध यात्रा का समापन होगा।

आईआरसीटीसी द्वारा प्रस्तुत यह सर्वसमावेशी यात्रा धार्मिक और अवकाश पर्यटन का एक बेहतरीन मेल है, जिसका उद्देश्य यात्रियों को सहज, सुरक्षित और समृद्ध यात्रा अनुभव प्रदान करना है। भारत गौरव डीलक्स पर्यटक रेलगाड़ी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें वातानुकूलित तृतीय, द्वितीय एवं प्रथम श्रेणी के सुव्यवस्थित केबिन, रेलगाड़ी के भीतर स्वच्छ शाकाहारी भोजन परोसने वाले भोजनयान, बेहतर सुरक्षा व्यवस्था तथा यात्रियों की सुविधा के लिए समर्पित टूर प्रबंधक उपलब्ध हैं। आईआरसीटीसी ने इस विशेष रेल यात्रा की शुरुआत 1 एसी श्रेणी के लिए 1,06,940/- प्रति व्यक्ति, 2 एसी के लिए 98,925/- तथा 3 एसी श्रेणी के लिए 79,285/- की कीमत पर की है। इस पैकेज मूल्य में वातानुकूलित श्रेणियों में रेल यात्रा, वातानुकूलित होटलों में ठहरने की व्यवस्था, सभी भोजन (केवल शाकाहारी), वातानुकूलित वाहनों द्वारा सभी स्थानांतरण एवं दर्शनीय स्थल भ्रमण, यात्रा बीमा तथा आईआरसीटीसी टूर प्रबंधकों की सेवाएँ आदि शामिल हैं। दिव्य पूर्व मंदिर यात्रा के लिए बुकिंग आईआरसीटीसी के पर्यटन पोर्टल तथा देशभर में स्थित अधिकृत आईआरसीटीसी पर्यटन कार्यालयों के माध्यम से की जा सकती है। अधिक जानकारी, यात्रा कार्यक्रम और बुकिंग से संबंधित विवरण के लिए यात्री [www.irctctourism.com/bharatgaurav] (http://www.irctctourism.com/bharatgaurav) पर जा सकते हैं या मोबाइल नंबर 8287930299 (प्रफुल्ला), 8287930484 (सुभाश्री), 8287930032 (अभिषेक), 8595931047 (मोनिका) तथा 8882826357 (प्रणीत) पर संपर्क कर सकते हैं।

## सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने 1998 में हाई स्कूल की परीक्षा जनता एच.एस. स्कूल मैथा कानपुर से उत्तीर्ण किया था। 3 फरवरी 2026 को मेरा हाई स्कूल प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट 6-2-2026 को थाना गोला में दर्ज करा दी गई है।

प्रार्थनी
ज्योत्सना शुक्ला, पुत्री
ओम प्रकाश शुक्ला
निवासी-ब.हि.लि. मिल कॉलोनी
गोला गोकर्णनाथ (खीरी)।

# वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा इंग्लैंड को

एजेंसी

मुंबई। नेपाल के खिलाफ टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के अपने पहले ही मैच में बमुश्किल उलटफ़ेर से बचने वाली इंग्लैंड की टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले एक महत्वपूर्ण और बराबरी के मुकाबले में अधिक आत्मविश्वासपूर्ण प्रदर्शन करना होगा।

दोनों टीमें अतीत में दो बार यह प्रतियोगिता जीत चुकी हैं और टूर्नामेंट के सह-मेजबान और मौजूदा चैंपियन भारत की तरह तीसरी बार खिताब जीतने की कोशिश में हैं। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती निरंतरता को बरकरार रखना होगा क्योंकि टी20 क्रिकेट में जीत-हार का अंतर बहुत कम हो सकता है। इसमें किसी भी टीम को कम करके आंकना बहुत

बड़ी भूल हो सकती है। इंग्लैंड को पिछले मुकाबले में इसका अहसास हुआ जब नेपाल ने एक समय उसे हार के कगार पर पहुंचा दिया था। इंग्लैंड ने आखिर में यह मैच चार रन से जीता था और इसे देखते हुए हैरी ब्रुक की अगुवाई वाली टीम को आगे भी सतर्क रहने की जरूरत होगी। इंग्लैंड के लिए सैम करेन मैच के हीरो रहे। उन्होंने अंतिम ओवर में अपनी सटीक लाइन और लेंथ से 10 रन का अच्छी तरह से बचाव किया। कुल मिलाकर इंग्लैंड को लगेगा कि उसके गेंदबाजों की तुलना में उनके बल्लेबाजी विभाग ने सामूहिक रूप से बेहतर प्रदर्शन किया। आदिल राशिद लंबे समय बाद विकेट लेने में असफल रहे और जोफ्रा आर्चर की नेपाल के बल्लेबाजों ने जमकर धुनाई की। इससे इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण की कमजोरी भी सामने आ गई। लेकिन ब्रूक और युवा जैकब बेथेल ने अर्धशतक लगाए और अन्य बल्लेबाज भी लय में दिखे। इंग्लैंड ग्रुप सी में अपनी स्थिति सुधारने के लिए भी उत्सुक होगा क्योंकि जीत के बावजूद उसकी टीम 0.200 के नेट रन रेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं जबकि स्कॉटलैंड दो अंकों और 0.950 के नेट रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज के भी दो अंक हैं और उसका नेट रन रेट 1.750 है। वेस्टइंडीज हालांकि इस बात को अच्छी तरह से समझना होगा की चूक की गुंजाइश बहुत कम है, खासकर ऐसे मैदान पर जहां पहले दो मैचों में पिच ने गेंदबाजों का साथ दिया है। भारत और इंग्लैंड दोनों टीमों ने इस मैदान पर बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया। वानखेड़े स्टेडियम में छोटी बाउंड्री का असर नेपाल की बल्लेबाजी में भी देखने को मिला। वेस्टइंडीज ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। शिमरोन हेटमायर की तेज 64 रन की पारी और रोमारियो शेफर्ड के पांच विकेटों की बदौलत उसने स्कॉटलैंड को आसानी से हराया।

# पाकिस्तान विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए आईसीसी को धन्यवादः राजीव शुक्ला

एजेंसी

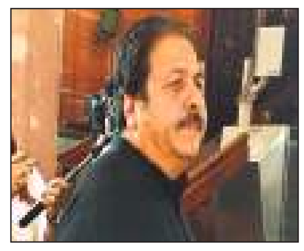

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने 'बहुत अच्छा समाधान निकाला' जिसके कारण पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच का बहिष्कार वापस ले लिया। बांग्लादेश और श्रीलंका के आग्रह के बाद पाकिस्तान सरकार ने बहिष्कार की अपील वापस लेने का फैसला किया जिसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होगा। शुक्ला ने पत्रकारों से कहा, ''मैं बीसीसीआई की तरफ से आईसीसी अध्यक्ष (जय शाह) और उसके पदाधिकारियों का बहुत अच्छा समाधान निकालने के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ चर्चा के बाद और सभी पक्षों की बात सुनने के बाद यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा, ''यह फैसला क्रिकेट के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। क्रिकेट जारी रहना चाहिए और अब विश्व कप को बड़ी सफलता मिलेगी। जहां तक आईसीसी का सवाल है तो यह एक बड़ी उपलब्धि है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भी आईसीसी की प्रशंसा की है। उसने सभी पक्षों की बात सुनी और सभी के हितों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया। शुक्ला ने आगे कहा, ''आखिर में क्रिकेट सभी के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सभी के लिए महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख अमीनुल इस्लाम ने ढाका में बयान जारी किया था जिसमें पाकिस्तान से बहिष्कार वापस लेने की अपील की गई थी। इसके बाद यह तय हो गया था कि पाकिस्तान बहिष्कार वापस ले लेगा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने भी फोन पर बात की, जिन्होंने उनसे टीम को मैच खेलने की अनुमति देने का आग्रह किया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने आईसीसी के साथ अपनी बातचीत के बारे में शरीफ को जानकारी दी इसके बाद पाकिस्तान की सरकार ने बयान जारी करके अपनी टीम को यह मैच खेलने की अनुमति प्रदान की थी।

# आयरलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी

एजेंसी

कोलंबो। हाल के खराब प्रदर्शन और दो प्रमुख तेज गेंदबाजों के चोटिल होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की टीम आयरलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेज़लवुड आधुनिक क्रिकेट की सबसे मजबूत तेज गेंदबाजी इकाइयों में से एक हैं और ऑस्ट्रेलिया को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उनकी कमी खलेगी। जहां कमिंस और हेज़लवुड चोटों के कारण बाहर हो गए, वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस प्रारूप से संन्यास ले लिया है। उनकी अनुपस्थिति में नाथन एलिस तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व कर सकते हैं, लेकिन उन पर भी चोट का साया मंडरा रहा है। हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण बिग बैश लीग (बीबीएल) के फाइनल से बाहर रहने के बाद से उन्होंने अभी तक एक भी मैच नहीं खेला है। अनुभवी लेग स्पिनर एडम ज़म्पा कमर की चोट से उबरकर टूर्नामेंट में प्रवेश कर रहे हैं। उपमहाद्वीप की मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए ज़म्पा टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2022 में यह टूर्नामेंट जीता था। पिछली बार उसकी टीम सेमीफाइनल में भारत से हार गई थी। अनुभवी ज़म्पा अपने साथी स्पिनरों कूपर कॉनॉली और मैट कुहनेमैन के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया की स्पिन आक्रमण को मजबूत करेंगे। ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप चरण के अपने चारों मैच श्रीलंका में खेलने हैं। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी इकाई निस्संदेह अतीत की तुलना में कमजोर दिखती है। ऑस्ट्रेलिया के पास बल्लेबाजी में जरूरी मजबूती है और टीम में काफी ऑलराउंडर भी हैं जो विरोधी टीमों को परेशान कर सकते हैं।

# डि लीडे के हरफनमौला प्रदर्शन से नीदरलैंड ने नामीबिया को सात विकेट से हराया

एजेंसी

नयी दिल्ली। बास डि लीडे के 48 गेंद में नाबाद 72 रन और दो विकेट की मदद से नीदरलैंड ने टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के मैच में मंगलवार को यहां नामीबिया को सात विकेट से हराया। टॉस जीतकर नामीबिया को बल्लेबाजी के लिये भेजने वाली नीदरलैंड की टीम ने अपने गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर उसे आठ विकेट पर 156 रन पर रोक दिया। डि लीडे ने तीन ओवर में 20 रन देकर और लोगान वान बीक ने तीन ओवर में 13 रन देकर दो दो विकेट लिये। जवाब में डि लीडे ने 48 गेंद में नाबाद 72 रन की पारी के दम पर नीदरलैंड ने 18 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाये। डि लीडे ने अपनी पारी में पांच चौके और चार छक्के जड़े और कोलिन एकेरमैन (28 गेंद में 32 ) के साथ तीसरे

विकेट के लिये 70 रन की साझेदारी भी की। उन्हें हरफनमौला प्रदर्शन के लिये प्लेयर आफ द मैच चुना गया। टी20 विश्व कप का अरूण जेटली स्टेडियम पर यह पहला मैच था लेकिन स्कूल की परीक्षा का समय और सप्ताह के बीच में होने से मैदान खाली ही पड़ा रहा। इसी मैदान पर 12 फरवरी को भारतीय टीम नामीबिया से खेलेगी। नीदरलैंड की शुरूआत हालांकि खराब रही थी और तीसरे ही ओवर मैक्स ओ डाउड (सात) को बर्नार्ड शोल्ज ने पवेलियन भेजा। माइकल लेविड भी 15 गेंद में 28 रन बनाकर आउट हो गए जिसके बाद डि लीडे और एकेरमैन ने टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले नामीबिया के लिये लोफ्टी इटोन (38 गेंद में 42 रन ) और सलामी बल्लेबाज जान फ्रायलिंक (26 गेंद में 30 रन ) ने दूसरे विकेट के लिये 50 रन की साझेदारी की। इनके अलावा जेजे स्मिट ने 15 गेंद में 22 रन बनाये। वहीं नीदरलैंड के लिये डि लीडे के अलावा वान बीक ने तीन ओवर में 13 रन देकर दो और स्पिनर आर्यन दत्त ने तीन ओवर में 13 रन देकर एक विकेट चटकाया।

## संक्षिप्त समाचार

### दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अफगानिस्तान की 'ग्रुप ऑफ डेथ' में वापसी पर निगाह

**अहमदाबाद।** अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से हारने के बाद अफगानिस्तान के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाला टी20 विश्व कप का मैच करो या मरो जैसा होगा क्योंकि प्रत्येक ग्रुप से केवल दो टीम ही सुपर आठ चरण में पहुंचेंगी। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप डी में शीर्ष पर काबिज है और बाकी टीमों से काफी आगे है। कनाडा पर 57 रन की जीत ने न सिर्फ उसे दो अंक मिले बल्कि इसने उसके नेट रन रेट को 2.850 तक पहुंचा दिया है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड (1.162) से पांच विकेट से हारने के कारण अफगानिस्तान −1.162 के नेट रन रेट के साथ तीसरे स्थान पर है। उसे अगले दौर में पहुंचने की अपनी उम्मीद को बरकरार रखने के लिए न केवल मैच जीतना होगा बल्कि अपना नेट रन रेट भी सुधारना होगा। इस तरह की परिस्थितियों में दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। अफगानिस्तान की टीम कभी हार नहीं मानने का जज्बा रखती है और दक्षिण अफ्रीका इससे अच्छी तरह से वाकिफ होगा। दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान जैसी टीमों की मौजूदगी के कारण यह 'ग्रुप आफ डेथ' बन गया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने गुलबदीन नायब की 35 गेंदों में खेली गई 63 रन की पारी और अन्य बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान से 182 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ चेपॉक में टी20 क्रिकेट खेलने का अनुभव रखने वाले नूर अहमद को टीम से बाहर रखने का फैसला अफगानिस्तान के लिए नुकसानदायक साबित हुआ क्योंकि उनकी जगह तेज गेंदबाजों को मौका दिया गया था जो अपनी रणनीति पर अमल करने में नाकाम साबित हुए। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज कीवी टीम पर दबाव बनाने में विफल रहे और यहां तक कि उसके कप्तान राशिद का भी दिन खराब रहा, जिन्होंने अपने चार ओवरों में 36 रन दिए और एक विकेट लिया। गेंदबाज़ी में अफ़गानिस्तान के लिए मुजीब उर रहमान का प्रदर्शन एकमात्र सकारात्मक पहलू था, जिन्होंने 31 रन देकर दो विकेट हासिल किए। अफगानिस्तान की टीम अब दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम में अपने खेल में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। राशिद का आईपीएल में यहां खेलने का अनुभव अफगानिस्तान के लिए महत्वपूर्ण होगा, जिसे वापसी करने और अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए जीत की जरूरत है। दक्षिण अफ्रीका का अफगानिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा रहा है और उसने अपने इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेले गए तीनों मैच जीते हैं। उसने अफगानिस्तान को टी20 विश्व कप में 2024 में नौ विकेट से, 2016 में 37 रन से और 2010 में 59 रन से हराया था। दक्षिण अफ्रीका की टीम कनाडा के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने के बाद इस मुकाबले से पहले आत्मविश्वास से भरी होगी। कप्तान एडन मारक्रम (59) ने तेज अर्धशतक लगाकर आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया। उसके अन्य खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण रन बनाकर इस एकतरफा मैच में दक्षिण अफ्रीका को 200 रन के पार पहुंचाया। कनाडा के खिलाफ महज छह रन बनाकर आउट होने के बाद युवा डेवाल्ड ब्रेविस पर सबकी नजरें होंगी। ब्रेविस टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं। पिछले 14 मैचों में उनका उच्चतम स्कोर 31 रन रहा है। टीम इस प्रकार हैंः अफगानिस्तानः राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जादरान (उपकप्तान), दरविश रसूली, मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, मोहम्मद नबी, शाहिदुल्लाह, अब्दुल्ला अहमदजई, फकालहक फारुकी, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, जियाउर रहमान। दक्षिण अफ्रीकाः एडेन मारक्रम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), डेविड मिलर, रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स, कॉर्बिन बॉश, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, केवना मफाका, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, कैगिसो रबाडा।

### एफआईएच प्रो लीगः बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ दमदार शुरुआत करने उतरेगा भारत

**राउरकेला।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम बुधवार से यहां बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करने के लिए प्रतिबद्ध होगी क्योंकि पिछली बार वह आठवें स्थान पर रही थी। भारत बुधवार को मजबूत बेल्जियम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके बाद गुरुवार को उसका अर्जेंटीना से मुकाबला होगा। भारतीय टीम शनिवार को एक बार फिर बेल्जियम का सामना करेगी और रविवार को अर्जेंटीना के खिलाफ अपने अभियान का समापन करेगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के संतुलित मिश्रण वाली भारतीय टीम दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली दो टीमों के खिलाफ परिस्थितियों का लाभ उठाने की कोशिश करेगी। भारत ने प्रो लीग में अभी तक अपना अभियान शुरू नहीं किया है, जबकि अर्जेंटीना और बेल्जियम दोनों ही सत्र की शानदार शुरुआत के बाद राउरकेला पहुंचे हैं। अर्जेंटीना फिलहाल 11 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है। उसने अब तक चार मैच खेले हैं, जिनमें से तीन में उसने निर्धारित समय में और एक में शूटआउट में जीत दर्ज की। बेल्जियम चार मैचों में 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है, जिसमें उसने निर्धारित समय के अंदर तीन मैच में जीत हासिल की लेकिन शूटआउट तक खिंचे एक अन्य मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा था। भारत का हाल के वर्षों में बेल्जियम के खिलाफ प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इन दोनों टीमों के बीच 2013 से 35 मैच खेले गए हैं। इनमें बेल्जियम ने 22 मैच और भारत ने 11 मैच जीते हैं जबकि दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। हालांकि अर्जेंटीना के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड बेहतर है। इन दोनों टीमों के बीच 2013 से अब तक खेले गए 19 मैच में से भारत ने 10 में जीत हासिल की है, जबकि अर्जेंटीना ने केवल सात मैच जीते हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ''अमनदीप लाकड़ा, मनमीत सिंह और रोसन कुजूर जैसे युवा खिलाड़ियों को टीम में मौका मिलते देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने हाल ही में हीरो हॉकी इंडिया लीग में असाधारण प्रदर्शन किया।

# सर्राफा बाजार में चमकी चांदी, सोने के भाव में गिरावट का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 920 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। दूसरी ओर, चांदी ने आज 16,200 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,57,920 रुपये से लेकर 1,58,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,44,760 रुपये से लेकर 1,44,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। जबकि चांदी की कीमत में उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 3,01,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,58,070 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि

22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,57,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,57,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,57,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,57,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,44,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# एएआईबी ने महानिदेशक सहित 23 अधिकारी स्तर के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए

नयी दिल्ली। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने महानिदेशक और 23 अधिकारी स्तर के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। एएआईबी फिलहाल 20 से अधिक विमान दुर्घटना मामलों की जांच कर रहा है। इनमें पिछले साल 12 जून को हुआ एयर इंडिया विमान हादसा भी शामिल है जिसमें 260 लोगों की मौत हुई थी। वर्तमान महानिदेशक जी. वी. जी. युगंधर का कार्यकाल इस साल के अंत में समाप्त होने वाला है, जिसके मद्देनजर एएआईबी ने इस पद के लिए आवेदन मांगे हैं। विमान दुर्घटना जांच एजेंसी में ये पद प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरे जाते हैं। एएआईबी की ओर से सात फरवरी को जारी रिक्ति परिपत्र के अनुसार, महानिदेशक पद के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23 मार्च है। इसके अलावा 23 निदेशक एवं अधिकारी स्तर के पदों के लिए भी आवेदन मांगे गए हैं जिनमें आठ सुरक्षा जांच अधिकारी के पद हैं।

# भारत के खेतों से जर्मनी के मेले मेंः यूरोप में अवसर तलाश रहे जैविक उत्पाद निर्यातक

एजेंसी

न्यूर्नबर्ग (जर्मनी)। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता पूरा होने की घोषणा के बाद असम, मेघालय और केरल समेत देश के 20 से अधिक राज्यों के प्रदर्शक जर्मनी के न्यूर्नबर्ग शहर में आयोजित विश्व के सबसे बड़े 'जैविक खाद्य व्यापार मेले' में अपने उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस पहल से यूरोपीय देशों में भारत के जैविक उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। भारत और यूरोपीय संघ ने 27 जनवरी को व्यापक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की घोषणा की थी, जिसके इस वर्ष लागू होने की संभावना है। इससे 27 देशों वाले यूरोपीय समूह में भारतीय निर्यातकों के लिए बड़े अवसर खुलेंगे। इस चार दिन तक चलने वाले मेले में भारत को ह्लवर्ष का देशङ्क घोषित किया गया है। इस मेले की शुरुआत 10 फरवरी से हुई। वाणिज्य मंत्रालय की इकाई कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के अनुसार, मेले में भारत की भागीदारी देश से बढ़ते जैविक निर्यात, वैश्विक मांग में वृद्धि और निर्यातकों तथा किसान उत्पादक संगठनों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है। दिल्ली, गुजरात, मेघालय, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड सहित 20 से अधिक राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से प्रदर्शक यहां पहुंचे हैं। करीब 67 सह-प्रदर्शक चावल, तिलहन, जड़ी-बूटियां, मसाले, दालें, काजू, अदरक, हल्दी, बड़ी इलायची, दालचीनी, आम का गूदा और सुगंधित तेल जैसे उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं।

# एसडीएफ व ट्रेप दर में अंतर से बने अवसर से 0.70 प्रतिशत तक की कमाई कर रहे हैं बैंक

मुंबई। नकदी के मामले में मजबूत स्थिति वाले बैंक ट्राई-पार्टी रेपो (ट्रेप) बाजार में कम दर पर कोष जुटा रहे हैं और ज्यादा रिटर्न के लिए स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) के तहत भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास पैसा लगा रहे हैं। डीलरों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक की एसडीएफ दर और ट्रेप दर के बीच के अंतर से बने 'आर्बिट्रेज' के अवसर से 0.70 प्रतिशत तक की कमाई हो रही है। ट्रेप एक गारंटी जमा कर धन मुहैया कराने वाला बाजार खंड है, जहां बैंक और म्यूचुअल फंड कर्ज देने एवं लेने का काम करते हैं। खासकर म्यूचुअल फंड कंपनियां कर्ज देने के मामले में अधिक सक्रिय रहती हैं।

# अमेरिका-भारत अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम करेंगे : व्हाइट हाउस

एजेंसी

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने कहा है कि आने वाले हफ्तों में अमेरिका और भारत व्यापार पर अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम करेंगे ताकि पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) संपन्न किया जा सके। व्हाइट हाउस' ने एक दस्तावेज (फैक्ट शीट) में कहा कि दोनों देश सेवाओं एवं निवेश, श्रम तथा सरकारी खरीद सहित शेष मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत जारी रखेंगे।

भारत और अमेरिका के पारस्परिक एवं लाभकारी व्यापार से संबंधित अंतरिम समझौते के ढांचे की संयुक्त घोषणा के कुछ दिन बाद व्हाइट हाउस ने ''अमेरिका और भारत ने ऐतिहासिक व्यापार समझौते (अंतरिम समझौता) की घोषणा की'' शीर्षक से एक दस्तावेज (फैक्ट शीट) जारी किया। इसमें समझौते की प्रमुख शर्तों को उल्लेख किया गया है जैसे कि भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं एवं अमेरिकी खाद्य व कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त करेगा या घटाएगा। इनमें ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स, रेड सोरघम, ट्री नट्स, ताजे और प्रसंस्कृत फल, कुछ दालें, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स सहित अन्य उत्पाद शामिल हैं। साथ ही भारत ने अधिक अमेरिकी उत्पाद खरीदने तथा ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य क्षेत्रों में 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के अमेरिकी उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। 'समृद्ध भविष्य की राह' शीर्षक वाले खंड में कहा

गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी जनता के हितों को आगे बढ़ाते हुए अमेरिकी निर्यातकों के लिए बाजार पहुंच बढ़ा रहे हैं। साथ ही आर्थिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए शुल्क एवं गैर-शुल्क बाधाओं को कम कर रहे हैं। इसमें कहा गया, '' भारत ने दुनिया की किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में अमेरिका पर सबसे अधिक शुल्क बनाए रखे हैं, जहां कृषि उत्पादों पर औसतन 37 प्रतिशत तक और कुछ वाहनों पर 100 प्रतिशत से अधिक शुल्क है। भारत का इतिहास अत्यधिक संरक्षणवादी गैर-शुल्क बाधाएं लगाने का भी रहा है जिनके कारण अमेरिका के कई निर्यात भारत में प्रतिबंधित रहे हैं। दस्तावेज के अनुसार, ''आने वाले हफ्तों में अमेरिका और भारत इस ढांचे को शीघ्र लागू करेंगे और अमेरिकी श्रमिकों तथा कारोबार के लिए लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पारस्परिक रूप से लाभकारी बीटीए को अंतिम रूप देने की दिशा में अंतरिम समझौते पर काम करेंगे। घोषणा भारत के साथ ''भविष्य में ठोस राह'' प्रदान करती है जो एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार के साथ संतुलित एवं पारस्परिक व्यापार सुनिश्चित करने के प्रति राष्ट्रपति की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

# बस्ती में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने ट्रांसजेंडरों के गरिमा गृह का शिलान्यास किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बस्ती। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को बस्ती जिले में ट्रांसजेंडरों के लिए गरिमा गृह का शिलान्यास किया। वह लखनऊ से राजकीय हेलीकाप्टर से सुबह 9:50 बजे पुलिस लाइन के हेलीपैड स्थल पर पहुंची। वहां से वह कार से कार्यक्रम स्थल रैनबो हाउस लैबुड़वा ताल आईं। करीब 11 बजे उन्होंने ट्रांसजेंडर सुमदाय एवं समाज विषयक संवाद स्थापित किया।

माधव प्रसाद के सवाल पर राज्यपाल ने कहा कि मां के गर्भ से ही ट्रांसजेंडर का जन्म होता है। यह कमाई का साधन नहीं है। वह घर-घर बच्चों का जन्म होता है तो बधाई देती हैं। ऐसे बच्चों को घर में रखें जो भी थर्ड जेंडर हो, विदेशों में नहीं है। फिर यहां क्यों नहीं रखा जाता है। बस्ती में अच्छा कार्य शुरू हुआ है। मैं चाहती हूं कि कोई बच्चा ट्रांसजेंडर जन्म लेता है तो घर में रखें। पड़ोस वाले टीका टिप्पणी न करें। यह पुण्य का कार्य है। हमारी परीक्षा करने के लिए ऐसे बच्चे घर में आते हैं। उन्होंने कहा कि मैं ट्रांसजेंडर को यही कहना चाहती हूं कि अपने बूते पर आगे बढ़े। पढ़ें आगे बढ़ें। समाज आपको स्वीकारने के लिए तैयार है। इसकी शुरुआत बस्ती से हुई है। आसपास के लोग मदद करें। अपने घरों में बुलाएं, उन्हें सम्मान दें। आशा दुबे ने पूछा कि अक्सर भेदभाव की शुरुआत परिवार से होती है, कैसे बचें। इस पर राज्यपाल ने कहा कि खुद पालन पोषण करना चाहिए। कई लोग पालन पोषण करते हैं। लेकिन जो बाहर निकाल दिए जाते हैं, उन्हें पंजीकरण कराया जाता है। उन्होंने कहा कि अक्सर पड़ोस के ताने से हम घरों से ऐसे जन्म लेने वाले बच्चों को निकाल देते हैं। ऐसा न करें। इंद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट के अजय पांडेय इस

दिशा में अच्छा काम कर रहे हैं। कई लोगों ने अपने होटल में काम पर रखे हैं। कुछ लोग गोशाला में काम कर रहे हैं। इज्जत से काम करने पर सम्मान मिलता है। बस्ती के इस शुरुआत में आप लोग आएं। उन्हें सिलाई मशीन दें। उन्हें सीख दें। काम करना ट्रांसजेंडर चाहते हैं, लेकिन काम न मिलने से वह मांग कर अपना गुजरना करना पड़ता है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सोचा और इस दिशा में अच्छा प्रयास लिया। कसीस मुंबई महराष्ट्र ने कहा कि समाज हमें अपनाने से क्यों अलग करता है। इस पर राज्यपाल ने कहा कि महाराष्ट्र में जन्म लेने वाले इस ट्रांसजेंडर को सम्मान बस्ती में मिला तो यहां जीवन ठीक से चलने लगा। ऐसे ट्रांसजेंडर जो अपने घरों में जाना चाहता है, वह भी जा सकता है। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि लोग टीवी सीरियल देखते हैं। न्यूज नहीं देखते है, इस कारण से ट्रांसजेंडर पर उनका ध्यान नहीं जाता। कोई व्यक्ति ऐसे समाज के लिए काम करे यह बड़ी बात है। सरकार बजट से स्कूल देती है, स्कूल चलाती है, लेकिन ट्रांसजेंडर को लाभ नहीं मिल पाती है। यह बात जब नरेन्द्र भाई मोदी ने देखा और समझा तो नीतियां बनाकर बजट की व्यवस्था की। गरिमा को घर और समाज में से सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्नी रहते हुए दूसरे को रखना। बच्चा पैदा करके छोड़ देते हैं। कई ऐसे हैं, जो पढ़ाई की उम्र में प्रेग्नेंट हो जाते हैं। बेटी पहले समय से आती थी। बेटियों पर ध्यान क्यों नहीं रखते। हम भरोसा रखते हैं, पर बच्चे भटक जा रहे हैं। यह किसका दोष है बताओ। हमारे घरों से भागने वाले 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे भागकर बच्चे पैदा कर रहे हैं।

# आजमगढ़ जिलाधिकारी ने बच्चों को दवा खिलाकर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का किया शुभारम्भ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

आजमगढ़। बच्चों को कृमि संक्रमण से सुरक्षित रखने और उनके बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत जिले में विशेष अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी ने एक विद्यालय में कार्यक्रम का शुभारम्भ कर बच्चों एवं अभिभावकों को कृमिनाशक दवा के प्रति जागरूक किया।

जूनियर हाई स्कूल जाफरपुर में मंगलवार राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का भव्य शुभारम्भ जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने छात्र-छात्राओं को अल्बेन्डाजोल की दवा खिलाकर किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के स्काउट-गाइड के बच्चों के सलामी और तालियों के साथ स्वागत से हुई, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण रहा। दवा खिलाने से पूर्व जिलाधिकारी ने स्वयं अल्बेन्डाजोल का सेवन कर यह संदेश दिया कि यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है और इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होता। उन्होंने बताया कि कृमिनाशक दवा बच्चों के शारीरिक विकास, मानसिक क्षमता और पोषण स्तर के लिए अत्यंत आवश्यक है। पेट में कीड़े होने से बच्चों में कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं, जिन्हें इस दवा के माध्यम से रोका जा सकता है। जिलाधिकारी ने बताया कि यह अभियान एक वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों एवं किशोरों के लिए चलाया जा रहा है। जो बच्चे किसी कारणवश आज दवा नहीं ले पाएंगे, उनके लिए 13 फरवरी को मॉप-अप राउंड आयोजित किया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील की, कि वे अपने बच्चों को यह दवा अवश्य दिलाएं। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन.आर. वर्मा ने दवा को सुरक्षित बताते हुए सभी पात्र बच्चों को दवा दिलाने का आग्रह किया। डिप्टी सीएमओ एवं नोडल एनडीडी डॉ. अरविंद चौधरी ने बताया कि जिले के सभी सरकारी, निजी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर दवा निःशुल्क दी जा रही है। कार्यक्रम में शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

## रंजिश में ग्राम प्रधान को गोली मारकर किया घायल, भतीजे पर आरोप

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद जिले के थाना रामगढ़ क्षेत्र अन्तर्गत सोमवार देर रात ग्राम प्रधान गोली लगने से घायल हो गया। गोली मारने का आरोप उसके ही भतीजे पर लगा है। पुलिस घटना की जांच में जुट गई। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को बताया कि थाना नारखी क्षेत्र के गांव नगला सोंठ के मौजूदा ग्राम प्रधान सोम कुमार अपने साले के बेटे की शादी में शामिल होने के लिए सोमवार रात थाना रामगढ़ क्षेत्र अन्तर्गत ठारपूठा स्थित एक मैरिज होम में आये थे। इस दौरान ललित नाम के एक युवक उन पर फायर कर भाग निकला। गोली ग्राम प्रधान की पीठ में जा लगी।

# फाइलेरिया से बचाव के लिए दवा का सेवन जरूरी: सीडीओ

■ सीडीओ ने दवा खाकर किया राष्ट्रीय फाइलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम का शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) डीपी पाल ने फाइलेरिया की दवा खाकर किया। इस मौके पर सीडीओ ने कहा कि फाइलेरिया एक घातक बीमारी है। दवा का सेवन करके ही इस जानलेवा बीमारी से बचाव किया जा सकता है।

फाइलेरिया से बचाव के लिए दवा का सेवन जरूरी है।

सीडीओ ने मंगलवार को विकास भवन में कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए सभी जनपद वासियों से स्वास्थ्य विभाग की गठित टीमों द्वारा गांव-गांव और घर-घर जाकर खिलाई जा रही दवा का सेवन कर अपने आप को और परिवार को फाइलेरिया से प्रतिरक्षित करने की अपील की। सीडीओ ने कहा कि भारत को फाइलेरिया जैसी जानलेवा घातक बीमारी से बचाने के लिए सरकार 10 फरवरी से राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम चला रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भूपेश द्विवेदी ने कहा कि देश को फाइलेरिया मुक्त करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 10 फरवरी से 28 फरवरी तक फाइलेरिया उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम, आशा और आंगनबाड़ी की 680 से अधिक टीमें और 129 सुपरवाइजरों द्वारा 7 लाख 80 हजार से अधिक आबादी को फाइलेरिया की दवा खिलाएगी। दवा पूरी तरह सुरक्षित है और बीमारी से बचाव का एकमात्र विकल्प है। प्रत्येक व्यक्ति दवा का सेवन करे, और दूसरों को भी प्रेरित करे। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जी आर रतमेले, जिला मलेरिया अधिकारी लाल साहब सिंह, सहायक मलेरिया अधिकारी आर के सिंह, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक रोहित व्यास, मलेरिया निरीक्षक ज्योति सिंह व प्रगति चंदेल आदि मौजूद रहे।

## 19 वर्षीय हॉस्पिटल कर्मी ने की आत्महत्या, महिला समेत दो की संदिग्ध मौत

नोएडा। नोएडा के थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के तुगलपुर गांव में रहने वाले एक 19 वर्षीय युवक ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि अंकुश पुत्र प्रेमपाल निवासी जनपद अलीगढ़ तुगलपुर गांव में किराए के मकान में अपने भाई के साथ रहते थे। उन्होंने बताया कि मंगलवार को उन्होंने अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मृतक के भाई संदीप ने पुलिस को बताया है कि वह शारदा हॉस्पिटल में काम करता था, वह कुछ दिनों से दिमागी रूप से परेशान था। थाना सेक्टर 24 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि सेक्टर 11 में रहने वाले सुजीत कुमार पुत्र रामजीवन उम्र 35 वर्ष को उनके परिजनों ने गंभीर हालत में आज सुबह को नोएडा के मेट्रो अस्पताल में भर्ती करवाया, वहां पर उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि डॉक्टर के अनुसार प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उनकी मौत हृदय घात के चलते हुई है। उन्होंने बताया कि मृत्यु का कारण स्पष्ट न होने के चलते पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है।


## संपादक मण्डल

**संस्थापक/संरक्षक**
संजीव श्रीवास्तव

**प्रधान संपादक**
हरिनाथ सिंह

**सलाहकार संपादक**
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

**स्थानीय संपादक**
दिनेश कुमार गर्ग

**कार्यकारी संपादक**
अभयानंद शुक्ल

**आध्यात्मिक संपादक**
राम महेश मिश्र

**ब्यूरो चीफ**
मनोज कुमार शुक्ला

**स्टेट कोआर्डिनेटर**
विपिन सोनी

**संपर्क मुख्यालय**
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

**संपर्क कार्यालय**
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ


# आईजीआरएस निस्तारण में लगातार तीसरी बार अव्वल रही चित्रकूट जिले की मऊ तहसील

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

■ उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन की प्रभावी कार्यशैली और निगरानी से मिली बड़ी उपलब्धि

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले की मऊ तहसील ने जनवरी माह में आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) निस्तारण में प्रदेश भर में पहला स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि तहसील ने लगातार तीसरी बार हासिल की है। कुल 350 तहसीलों में मऊ ने यह शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि इसी अवधि में चित्रकूट जिले की समग्र रैंकिंग 75 जनपदों में से 15वीं रही। चित्रकूट की अन्य तहसीलों की रैंकिंग भी जारी की गई। इस माह मऊ तहसील के साथ-साथ मानिकपुर और राजापुर तहसीलों ने भी लगातार दूसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, कर्वी तहसील 140वें स्थान पर रही। मऊ तहसील को लगातार तीसरी बार यह सफलता उप जिलाधिकारी (एसडीएम) राम ऋषि रमन की प्रभावी कार्यशैली और निगरानी के कारण मिली है। उनके प्रयासों से शिकायतों का त्वरित और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित हुआ है। एसडीएम राम ऋषि रमन व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक शिकायती पत्र की निगरानी करते हैं। मुख्यमंत्री पोर्टल या आईजीआरएस पर कोई भी आवेदन प्राप्त होने पर वे अपनी टीम के साथ मौके पर जाकर उसका निस्तारण सुनिश्चित करते हैं। यह प्रगति जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के मार्गदर्शन में हुई है, जिसमें वे स्वयं सक्रिय होकर प्रत्येक शिकायत के निस्तारण में सहयोग करते हैं। इस प्रभावी प्रणाली और उप जिलाधिकारी के सक्रिय दृष्टिकोण से जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। इससे शिकायतकर्ताओं में संतोष का भाव देखा जा रहा है और प्रशासन के प्रति उनका विश्वास बढ़ा है।

# मालगाड़ी पर सिगरेट पीकर रील बनाने वाले पांच लोग गिरफ्तार, रेलवे पुलिस ने भेजा जेल

■ बाराबंकी के बुढ़वल जंक्शन की आरपीएफ जीआरपी ने चलाया संयुक्त चेकिंग अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के जनपद बाराबंकी में मालगाड़ी पर सिगरेट पीते हुए रील बनाने वालों को आरपीएफ व जीआरपी ने सबक सिखाया है। रेलवे पुलिस ने ऐसी रील बनाने वाले पांच लोगों को जनपद के फतेहपुर से गिरफ्तार कर रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

बुढवल जंक्शन के आरपीएफ पोस्ट कमांडर रवि कुमार व जीआरपी प्रभारी प्रभारी जयंत दुबे ने बताया कि आरपीएफ व जीआरपी की संयुक्त चेकिंग में रील बनाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कुछ दिन पहले ट्विटर पर एक रील वायरल हुई थी जिसमें यह दिखाया गया था कि

बुढ़वल जंक्शन के पीछे खड़ी मालगाड़ी पर चढ़कर रील बनाई जा रही है जबकि यह कार्य रेलवे नियम के विपरीत है। इस मामले की जांच के क्रम में मंगलवार दोपहर रेल पुलिस की संयुक्त टीम ने पांच लोगों गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। इन पर आरोप है कि ये लोग तहसील फतेहपुर रेलवे स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी के गार्ड ब्रेक पर धू्रमपान करते हुए रील बना कर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हैं। इन गिरफ्तार लोगों में मो.उमर, मो. फरदीन खान रील बना रहे थे जबकि उनके साथ तीन अन्य व्यक्ति जो रील बनाने में मदद कर रहे थे।

# संजय सेतु मरम्मत के बीच घाघराघाट पर फिर ताजा होंगी 1982-83 की यादें, बनेगा पीपे का पुल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से गुजरने वाली घाघरा नदी पर स्थित ऐतिहासिक संजय सेतु की मरम्मत के दौरान क्षेत्रवासियों को न केवल यातायात की सुविधा मिलेगी, बल्कि उन्हें दशकों पुरानी यादों से जुड़ने का भी अवसर मिलेगा। सेतु मरम्मत कार्य के दौरान यातायात को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासन की ओर से पीपे का अस्थायी पुल तैयार किया जाएगा, जो कभी इस क्षेत्र में नदी पार करने का प्रमुख साधन हुआ करता था। यह पीपे का पुल केवल वैकल्पिक व्यवस्था नहीं, बल्कि अतीत की स्मृतियों को वर्तमान से जोड़ने वाली एक जीवंत कड़ी भी होगा। वर्ष 1982ऽ83 के दौर में जब लोग पीपे के पुल से घाघरा पार किया करते थे, वही अनुभव अब आधुनिक सुरक्षा मानकों और प्रशासनिक निगरानी के साथ दोबारा देखने को मिलेगा। मरम्मत अवधि में संजय सेतु पर यातायात बाधित न हो, इसके लिए बनाए जाने वाले इस अस्थायी पुल से पैदल यात्रियों, दुपहिया वाहनों, मोटर कारों, स्कूल वैन तथा एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं का आवागमन निर्बाध रूप से जारी रहेगा। इससे स्थानीय नागरिकों, मरीजों, विद्यार्थियों और व्यापारिक गतिविधियों पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, पीपे का पुल नियंत्रित क्षमता और पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था के तहत संचालित किया जाएगा। आवश्यकतानुसार निगरानी, यातायात नियंत्रण और सुरक्षा इंतज़ाम सुनिश्चित किए जाएंगे, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा या जोखिम से बचा जा सके। स्थानीय लोगों के लिए यह पुल सुविधा और भावनाओं का संगम साबित होगा। जहाँ एक ओर दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, वहीं दूसरी ओर घाघरा की लहरों पर तैरता यह पुल बीते दौर की यादों को फिर से जीवंत कर देगा। संजय सेतु की मरम्मत के बीच प्रस्तावित यह पीपे का पुल इतिहास और वर्तमान को जोड़ने वाला एक अनोखा प्रतीक बनकर सामने आएगा। रामनगर तहसीलदार विपुल सिंह ने बताया कि फाल्गुनी मेला के बाद पीपे के पुल बनाए जाने के लिए जिलाधिकारी बाराबंकी ने कहा है। स्थानीय तहसील प्रशासन से जो भी सहयोग के लिए ऊपर से आदेश व निर्देश आएगा उसका पालन किया जाएगा।

## आईजीआरएस में जालौन का शानदार प्रदर्शन, प्रदेश में छठा स्थान प्राप्त

उरई। उत्तर प्रदेश सरकार की समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) में जनपद ने एक बार फिर उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का परिचय देते हुए प्रदेश स्तर पर छठवां स्थान प्राप्त किया है। वहीं, जनपद की तहसील कौंच ने शिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण के आधार पर प्रदेश में पुनः प्रथम स्थान हासिल कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने इस उपलब्धि को उत्तर प्रदेश सरकार की पारदर्शी शासन व्यवस्था, मुख्यमंत्री के निर्देशन तथा प्रशासनिक अधिकारियों की सतत मॉनिटरिंग का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया गया है। मंगलवार को जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील कौंच ने शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद, फील्ड स्तर पर त्वरित कार्रवाई, गुणवत्ता आधारित निस्तारण को अपनाया, जिसके चलते तहसील ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि अन्य तहसीलों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि जनपद प्रशासन उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप भविष्य में भी आईजीआरएस को जनसेवा का सशक्त माध्यम बनाते हुए आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करता रहेगा, ताकि शासन और जनता के बीच विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

# शिवपुराण कलश यात्रा में गूंजे बम-बम भोले के जयकारें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। अजीतमल क्षेत्र के गांव जलुपुर में मंगलवार को सात दिवसीय शिवपुराण कथा का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। इस दौरन गांव में कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें महिलाओं और पुरुषों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सिर पर कलश धारण किए श्रद्धालु महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में भक्ति गीत गाते हुए चल रही थीं। पुरुष श्रद्धालु ल्लबम-बम भोलेङ्क और ल्लहर-हर महादेवङ्क के जयकारों के साथ वातावरण को शिवमय बना रहे थे। पूरे गांव में भक्तिमय उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार दिखाई दिया।

कलश यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होकर कथा स्थल पर पहुंची, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कथा का आरंभ हुआ। कथा वाचक रामसेवक तिवारी ने शिवपुराण कथा के प्रथम दिन भगवान शिव की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि नाथों के नाथ भगवान भोलेनाथ अनादि और अनंत हैं। उनकी लीलाओं का संपूर्ण वर्णन कर पाना किसी के लिए संभव नहीं है, क्योंकि शिव की महिमा तो असंख्य जन्मों के पुण्य के समान है। उन्होंने श्रद्धालुओं को शिव भक्ति के माध्यम से जीवन में शांति, संयम और सदाचार अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के आयोजक एवं कथा परीक्षित रामेश्वर पाल, शीलू पाल, श्रीपाल सिंह, जयसिंह, कप्तान सिंह, किट्टू, बिपिन कश्यप, पारस और रविंद्र , समाजसेवी मनोज तोमर सहित अन्य सहयोगियों ने बताया कि शिवपुराण कथा सात दिनों तक अनवरत रूप से चलेगी। प्रत्येक दिन अलग-अलग प्रसंगों के माध्यम से भगवान शिव की महिमा का वर्णन किया जाएगा। कथा के समापन अवसर पर 18 फरवरी को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।